साप्ताहिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

वर्ष-11, अंक-52

इन्दौर, सोमवार
25 नवम्बर से 1 दिसम्बर
2024 तक पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'

मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

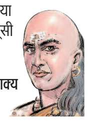

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

संभल में जामा मस्जिद सर्वे के दौरान पथराव-आगजनी, दो की मौत

3 घंटे से उग्र भीड़ का पुलिस पर पथराव, गाड़ियां फूंकीं; SP घायल, सड़कों पर पत्थर बिछे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद पर दोबारा सर्वे को लेकर हुए पर विवाद ने रविवार को हिंसक रूप ले लिया। सर्वे के दौरान नाराज भीड़ ने पुलिस पर पथराव और आगजनी कर दी जिससे हालात बेकाबू हो गए, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई है।

पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने और लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना में बीस से अधिक पुलिस कर्मी और दो दर्जन लोग चोटिल हो गए। दो लोगों की मौत की खबर है। भीड़ ने दस से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया। रविवार सुबह संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के साथ सर्वेक्षण टीम जामा मस्जिद पहुंची। कोर्ट कमिश्नर रमेश राधव की अगुवाई में टीम ने मस्जिद के अंदर सर्वे का कार्य शुरू किया। जैसे ही स्थानीय लोगों को सर्वे की जानकारी मिली, नाराज मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मस्जिद के बाहर जमा हो गए। मुस्लिम समाज ने सुबह-सुबह और छुट्टी के दिन सर्वेक्षण पर आपत्ति जताई। जल्द ही मस्जिद के बाहर करीब एक हजार लोग इकट्ठा हो गए। भीड़ ने पुलिस को मस्जिद के अंदर जाने से रोकने की कोशिश की। पुलिस के समझाने पर भी लोग नहीं माने और हंगामा करने लगे। स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब भीड़ ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। पत्थर लगने से कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें एसपी के पीआरओ भी शामिल हैं। पथराव के बाद भीड़ ने सड़क पर आगजनी कर माहौल और खराब कर दिया। हालात काबू से बाहर होने पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ने की कोशिश की। घटना के बाद इलाके में तनाव व्याप्त है। मस्जिद के चारों ओर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी है और इलाके को सील कर दिया गया है। आसपास के थानों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। डीएम और एसपी समेत जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। मस्जिद के अंदर करीब दो घंटे तक सर्वे चला। टीम ने मस्जिद के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया और अपनी प्रक्रिया पूरी की। सर्वेक्षण की प्रारंभिक रिपोर्ट 29 नवंबर को कोर्ट में पेश की जाएगी। स्थिति तब और बिगड़ गई जब भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। पत्थर लगने से कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गया। इसके बाद मौके पर तैनात पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की। स्थिति काबू से बाहर होने पर पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। पथराव और हंगामे के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। प्रशासन ने जामा मस्जिद के चारों ओर बैरिकेडिंग कर इलाके को सील कर दिया है। मौके पर डीएम, एसपी और एडीएम समेत जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं। आसपास के थानों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। मस्जिद के अंदर सुबह लगभग दो घंटे तक सर्वे चला। कोर्ट कमिश्नर रमेश राधव की अगुवाई में टीम ने मस्जिद के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया।

जामा मस्जिद का यह है मामला

हिंदू पक्ष की ओर से न्यायालय में जो वाद दायर किया गया है। उसमें उन्होंने हरिहर मंदिर होने का दावा किया है। न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर दिया है। मंगलवार को कोर्ट कमिश्नर ने मस्जिद पहुंचकर सर्वे भी किया था। करीब दो घंटे तक वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की गई थी। कोर्ट कमिश्नर 29 नवंबर को न्यायालय में रिपोर्ट पेश करेंगे। इस सर्वे के बाद से जामा मस्जिद के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस वाद को दायर करने में वादीगण में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हरिशंकर जैन, पर्थ यादव, महंत ऋषिराज गिरि, राकेश कुमार, जीतपाल सिंह यादव, मदनपाल, वेदपाल और दीनानाथ शामिल हैं।

आपत्तिजनक पोस्ट पर कार्रवाई तय

पुलिस की एक टीम सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर निगरानी कर रही है। भड़काऊ या विवादित पोस्ट करने पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाएगी। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि इस तरह की पोस्ट से अशांति फैल सकती है। इसलिए टीम को निगरानी पर लगाया हुआ है। एक मामला प्रकाश में आया था तो कार्रवाई की गई थी।

महाराष्ट्र में हार के बाद बैकफुट पर कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में कांग्रेस गठबंधन की हार ने INDIA गठबंधन के भविष्य और एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस के लिए यह शिकस्त इसलिए भी परेशान करने वाली है क्योंकि हरियाणा के बाद यह बीजेपी के खिलाफ उसकी लगातार दूसरी बड़ी हार है। इस हार के बाद बीजेपी विरोधी राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस की धुरी बनने की कोशिशों को भी झटका लगा है। हालांकि, झारखंड में जेएमएम नीत गठबंधन की लगातार दूसरी जीत से विपक्ष को थोड़ी राहत मिली है।

महाराष्ट्र की हार से कांग्रेस सन्न

बावजूद इसके महाराष्ट्र में करारी शिकस्त की भयावहता के आगे झारखंड की जीत सिर्फ एक छोटी-सी उपलब्धि के रूप में ही देखी जा रही। इन चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस मुख्यालय में छाया माहौल इसी निराशा को दर्शाता है। यही वजह है कि वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की जबरदस्त जीत के बावजूद कार्यकर्ताओं में उस तरह का उत्साह नजर नहीं आया। झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत यह भी दिखाती है कि कैसे कांग्रेस इन दिनों क्षेत्रीय पार्टियों की ताकत के सहारे ही अपनी नैया पार लगाने में सफल हो पा रही है।

कृपालु महाराज की बेटियों की कार का एक्सीडेंट, बड़ी बेटी की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में कृपालु महाराज की बड़ी बेटी विशाखा त्रिपाठी की मौत हो गई. वहीं, उनकी अन्य दो बेटियां कृष्णा त्रिपाठी और श्यामा त्रिपाठी की हालत गंभीर बताई जा रही है. दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यह पूरा मामला दनकौर थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक तीनों बहनें सिंगापुर जाने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट की ओर जा रही थीं. थाना दनकौर क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर 8 किलोमीटर बोर्ड के पास एक कैंटर ने उनकी इनोवा हाय क्रॉस और टोयोटा कैमरी को पीछे से टक्कर मार दी.

तूफान से नौ राज्यों में बारिश ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मौसम तेजी से बदल रहा है। जिस कारण चक्रवाती तूफान का खतरा बना हुआ है। इसके साथ ही 9 राज्यों में बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी भी जारी की गई है।

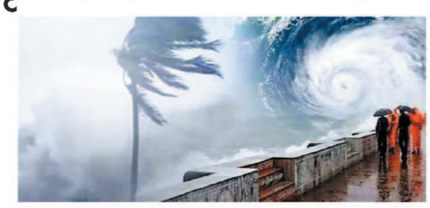

उत्तर भारत जहां कड़ाके की ठंड की चपेट में है, वहीं दक्षिण भारत में भारी बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के कारण ठंड और बढ़ गई है। भारतीय मौसम विभाग ने 26 नवंबर तक देश के अलग-अलग हिस्सों में इसी तरह के मौसम बने रहने की संभावना जताई है। आइए जानते हैं अगले 4 दिनों में देशभर में कैसा रहेगा मौसम?

चक्रवाती तूफान के असर से भारी बारिश

मौसम विभाग ने बताया है कि सुमात्रा तट से दूर भूमध्यरेखीय हिंद महासागर में चक्रवातीय दबाव (Cyclonic Circulation) बन रहा है। इसके कारण दक्षिणी अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी के आसपास तेज हवाएं और भारी बारिश की संभावना है।

बिहार में हारीं दो सीटें तो झारखंड में चार सीट जीतकर आरजेडी ने चौंकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के साथ-साथ उपचुनाव के नतीजे भी घोषित किए गए थे। बिहार में चार सीटों पर हुए उपचुनाव में एनडीए ने क्लीन स्वीप किया है। इससे लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को झटका लगा है, जिसके पास पहले चार में से दो सीटें बेलागंज और रामगढ़ थीं, वह भी हाथ से निकल गईं, लेकिन दूसरी तरफ आरजेडी ने झारखंड विधानसभा चुनाव में चौंकाया है। लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने झारखंड में 6 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से चार सीटों पर उसने जीत हासिल की है। राजद उम्मीदवारों ने चार विधानसभा सीटों पर बीजेपी के मौजूदा विधायकों को हार का मजा चखाया है। 2019 में राजद केवल चतरा सीट जीती थी, जहां सत्यानंद भोक्ता जीते थे। इस बार आरजेडी के देवघर से उम्मीदवार रहे सुरेश पासवान ने बीजेपी के मौजूदा विधायक नारायण दास को 39,721 वोटों से मात दी है। गोड्डा में आरजेडी के संजय प्रसाद यादव ने बीजेपी विधायक अमित कुमार मंडल को 21,471 मतों से हराया।

रूस के हमलों से परेशान यूक्रेन अमेरिका से लगा रहा गुहार

कीव, (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को एक हजार दिन पूरे हो चुके हैं और अब यह युद्ध नाजुक दौर में पहुंच गया है। दोनों ही देश एक दूसरे पर आक्रमण कर रहे हैं। दोनों ही बर्बादी का दंश झेल रहे हैं। इस बीच यूक्रेन ने बड़ा दावा करते हुए कहा है रूस ने यूक्रेनी शहर दिनप्रो पर गुरुवार को लंबी दूरी की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है।

शिबू सोरेन परिवार के तीन सदस्य जीते, एक को मिली हार

रांची, (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन के परिवार के तीन सदस्यों ने इस बार के विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल की वहीं एक को हार का सामना करना पड़ा। झारखंड के मौजूदा सियासी समीकरण में 'सोरेन परिवार' राज्य का सबसे रसूखदार घराना माना जाता है। विधानसभा चुनाव में इस बार श्री शिबू सोरेन के द्वितीय पुत्र निवर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनकी पुत्रवधू और हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन, उनके छोटे पुत्र बसंत सोरेन और बड़ी पुत्र वधू और दिवंगत दुर्गा सोरेन की पत्नी सीता मुर्मू सोरेन की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुयी थी।

मायावती का ऐलान

कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी

लखनऊ (एजेंसी)। उपचुनाव नहीं लड़ने के फैसले का ऐलान करते हुए मायावती ने कहा, अब हमारी पार्टी ने ये फैसला लिया है कि जब तक देश में फर्जी वोटों को डालने से रोकने के लिए देश के चुनाव आयोग द्वारा कोई सख्त कदम नहीं उठाए जाते हैं तब तक हमारी पार्टी देश में अब कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने रविवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि उनकी पार्टी अब कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी। उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में करारी शिकस्त मिलने के बाद मायावती ने यह फैसला लिया है। इतना ही नहीं बसपा प्रमुख ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया और ईवीएम पर भी सवाल उठाए।

मणिपुर में आगजनी के मामले में सात और लोग गिरफ्तार

इम्फाल (एजेंसी)। सीसीटीवी के जरिए संदिग्धों की पहचान की गई और उचित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मुझे सार्वजनिक रूप से यह कहते हुए शर्म आती है कि मणिपुर में ऐसी चीजें हो रही हैं। मणिपुर की इंफाल घाटी में विधायकों के आवासों पर 16 नवंबर को हुई तोड़फोड़ तथा आगजनी की घटना में शामिल होने के आरोप में सात और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई।

प्रियंका गांधी का संसद में पदार्पण देश के लिए ऐतिहासिक होगा : रेड्डी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने वायनाड लोकसभा उपचुनाव में शानदार जीत के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को बधाई देते हुए शनिवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी का हर सदस्य इस अवसर पर खुशी मना रहा है। रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि संसद में प्रियंका का पदार्पण देश और लोकतंत्र के लिए एक अहम दिन साबित होगा। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, '' हमारी नेता श्रीमती प्रियंका गांधी जी को वायनाड लोकसभा क्षेत्र में शानदार, रिकॉर्ड जीत पर हार्दिक बधाई। संसद में उनका पदार्पण हमारे देश और लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन साबित होगा। महिलाओं को पहले जैसी आवाज मिलेगी। कांग्रेस परिवार का हर सदस्य इस शानदार जीत का जश्न मना रहा है। '' प्रियंका गांधी वाद्रा ने वायनाड लोकसभा सीट पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)-नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के सत्यन मोकेरी को 4.1 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराकर अपनी पहली चुनावी जीत दर्ज की। इस बीच, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के वरिष्ठ पर्यवेक्षक और झारखंड विधानसभा चुनावों के लिए मुख्य प्रचारक उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि वह राज्य के लोगों को इंडिया गठबंधन में अपने विश्वास की पुष्टि करने और एक बार फिर से जन-समर्थक, गरीब-समर्थक सरकार चुनने के लिए तहे दिल से धन्यवाद देते हैं।

डिवाइडर से टकराकर कार के खाई में गिरने से दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के आगरा में रहनकलां टोल प्लाजा से पहले एक कार डिवाइडर से टकराने के बाद खाई में गिर गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में कार में सवार दो लोगों की मौत हो गयी और तीन लोग घायल हो गये। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान पम्मी (25)और महेंद्र शुक्ला (45) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में 44 वर्षीय रजनीकांत शुक्ला, 20 वर्षीय करण और 24 वर्षीय जितेंद्र घायल हुए, जिन्हें यमुना पास स्थित श्री कृष्णा अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सुविचार

अनपढ़ व्यक्ति प्रेम, भावनाओं को समझता हैं...। पढ़ालिखा व्यक्ति प्रेम, भावनाओं का इस्तेमाल करता हैं..।

वंदना पुणतांबेकर
इंदौर

छद्म

शहर के नेता नरेश भान ने शाम को अपने दोनों बेटों को बुलाकर कहा- कल के बंद की अगुवाई करने का जिम्मा संगठन ने मुझे सौंपा है। कल हम सुबह 11:00 बजे चौक से इकट्ठे होकर जुलूस का आयोजन करेंगे और फिर जुलूस शहर की गलियों से गुजरता हुआ डी सी कार्यालय में मांग पत्र के साथ संपन्न होगा। इसके बीच भीड़ उग्र हो गई तो..?युवा बेटे ने कहा । तब वहीं जुलूस खत्म समझो। गिरफ्तारियां होंगी हम नेता हैं और हम गिरफ्तार हो जाएंगे। नेता ने मुस्कुरा कर जवाब दिया । परंतु आप दोनों इस शहर में नहीं रहेंगे । आप दोनों कल दूसरे शहर चले जाएंगे। कल को आपका करियर भी तो देखना है। कहीं अरेस्ट-वेस्ट हो गए तो दिक्कत हो जाती है। हर जगह करेक्टर प्रमाण पत्र की जरूरत पड़ती है । अच्छे करियर के लिए पुलिस में कोई केस नहीं होना चाहिए। दोनों बेटे अपने पिता की बात मानकर दूसरे शहर चले गए । दूसरे दिन सुबह जुलूस निकला। नेताजी के साथ जुलूस वाली शाम तक कई युवा गिरफ्तार हो गए थे । उनमें बहुत से युवा पढ़े-लिखे डिग्री धारक थे । सैंकड़ों युवाओं के साथ गिरफ्तार नेताजी का जोश देखते ही बन रहा था । वह युवाओं से अपने हक के लिए मर मिटने का आह्वान कर रहे थे ...। मानो उनका यह आह्वान अपने बेटों के भविष्य के लिए ही हो...।

अशोक दर्द
डलहौजी चंबा हिमाचल प्रदेश

गृहस्थी फिर से बस गई

विपुल ने रोज़ की तरह पिंजरे का दरवाजा खोल दिया।नर चिड़ा हरिराम बाहर निकला।फिर उसके पीछे - पीछे भूरी बाहर निकली।विपुल ने पिंजरे की प्लेट निकाल कर उसकी सफाई की उसके बाद पिंजरे में यथास्थान लगा दी। चीड़े का रंग हरा था इसलिए उसे घर के सदस्य हरिराम कह कर बुलाते थे।अपना नाम सुन कर हरिराम बड़ा चहकता था।भूरी उसके मुकाबले ज्यादा चंचल थी।सुबह से लेकर शोर मचाया करती थी।उसका शोर खुशी का भी प्रतीक होता था और गुस्से का भी।प्लेट में दाना पानी नहीं होने पर वह आसमान माथे पर उठा लेती थी।जब उसके सोने का वक्त हो और पिंजरे पर कपड़ा नहीं डाला जाए तो उसे बिजली की रोशनी में नींद नही आती थी।वह तब तक चिल्लाती थी जब तक पिंजरे पर कपड़ा नहीं डाल दिया जाता था।ये दोनो चिड़ा चिड़ी पिंजरे में खूब मस्ती करते।एक दूसरे के साथ छेड़ छाड़ भी करते और प्यार भी करते।पिंजरे का दरवाजा खुलने पर पूरे कमरे में कभी पंखे पर बैठते।कभी इधर से उधर उड़ते।जब अपने मन की कर थक जाते थे तो एक के बाद एक वापस पिंजरे में चले जाते। विपुल ने देखा हरिराम तो पिंजरे में चला गया।अंदर से भूरी को बुलाने लगा। मगर भूरी इधर उधर उछलती रही।विपुल सोच रहा था कि थोड़ी बहुत देर धमाल करने के बाद भूरी पिंजरे में चली जाएगी।मगर वह देखता ही रह गया भूरी पलक झपकते कमरे से बाहर चली गई।विपुल ने लपक कर बाहर देखा भूरी का कहीं पता ठिकाना नहीं था।भूरी को नहीं आना था तो भूरी नहीं आई। अगले दिन विपुल ने रोज़ की तरह हरिराम को दानापानी दिया।हरिराम ने नजरें उठा कर देखा नहीं।विपुल के बेटे नानू ने हरिराम को आवाज लगाई।पुकार का तत्काल जवाब देने वाला हरिराम चुप था।पिंजरे में रोज़ की तरह वह उछलकूद नहीं कर रहा था।खामोश था एकदम खामोश।विपुल समझ गया कि हरिराम की संगिनी चले जाने से हरिराम उदास हो गया।अपना साथी बिछड़ जाए तो भला कौन उदास नहीं होता।फिर वह चाहे पंछी हो या इंसान? विपुल ने सोचा कि एक दो दिन में हरिराम को तन्हाई की आदत पड़ जाएगी।भूरी नहीं है तो क्या हुआ बाकी तो सब कुछ है दानापानी,बात करने के लिए नानू।मगर हरिराम में कोई तब्दीली नहीं आई उसकी उदासी बनी रही।ऐसा लगता था कि उसने असहयोग आंदोलन कर दिया हो। अंततः विपुल को एक आइडिया सूझा।वह बाजार गया और कई चिड़ियाएं उसने देखी। उसे एक चिड़िया दि खी फिरोजी रंग की बड़ी सुंदर चिड़िया थी।विपुल ने वह चिड़िया खरीदी।घर आकर उस चिड़िया को पिंजरे में गृहप्रवेश करा दिया।हरिराम ने बड़े ध्यान से फिरोजा को देखा।फिरोजा ने उसे देखा।फिर फिरोजा ने दाना चुगा और हरिराम की तरफ देखने लगी हरिराम का अनशन टूटा,उसने भी दाना चुगा। पानी की कटोरी के एक तरफ से फिरोजा ने और दूसरी तरफ से हरिराम ने पानी पिया।खुशी के मारे पहले फिरोजा चहकी प्रत्युत्तर में हरिराम भी चहका।विपुल ने पिंजरे का दरवाजा खोला दोनो ने कमरे में खूब उधम मचाई।थोड़ी देर बाद दोनो पिंजरे में आ गए।हरिराम की उदासी दूर हो गई ,होनी ही थी उसकी गृहस्थी फिर से जो बस गई थी।

रमेशचंद्र शर्मा,42,बहादुरगंज,उज्जैन, मोबाईल 8989711959

कीमती वक्त

चकोर जी आज तीसरी बार अपने ड्राइवर की पिछले सात दिन से गुमसुदा लड़की के बारे में पुलिस द्वारा अब तक की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी के लिए थाने में दरोगा तरसेम सिंह से मिलने पहुँचे। तरसेम सिंह ने जैसे ही चकोर जी को देखा, वे भड़कते हुए बोले - तुम बार - बार आकर मेरा कीमती वक्त क्यों खराब करते हो ? हमें अपना काम करना आता है।

चकोर को विदा कर दरोगा ने मुस्कुराते हुए बाहर बैठे उन दो लोगों को इशारे से अपने कमरे में बुलाया जो उनके वक़्त की कीमत देने आए थे।

- सुभाष चंद्र लखेड़ा, द्वारका, नई दिल्ली

विवशता

जल्दी डॉक्टर को बुलाओ, बाबूजी को कुछ हो गया है। घर का नौकर चिल्लाया। डॉक्टर ने आकर स्थिति संभाल ली। नोटबंदी की घोषणा से उनकी यह हालत हुई। रामशरण एक छोटा सा कारखाना चलाते थे। उनके यहां 50 कारीगर थे जिन्हें रोजाना लगभग ?20000 पारिश्रमिक के बांटने होते थे। रामशरण अश्वस्त थे के बैंक से नोटों को बदलवा लेंगे। दूसरे दिन सारे हजार और 500 के नोट जमा करवा दिए गए। जब भारी पारिश्रमिक बांटने के पैसे लेने बैंक गए तो बैंक वालों ने कहा,आप केवल ?2000 रोज एटीएम से निकाल सकते हो। यह सुनते ही रामचरण की आंखों के आगे अंधेरा छा गया और और उसे अस्पताल भर्ती करवाया गया। कारीगर काम खत्म कर रामशरण को अस्पताल देखने गए और मजदूरी के भुगतान की बात भी की। रामचरण ने उनको वस्तु स्थिति बताई। मजदूर रामशरण की मजबूरी समझ कर घर तो लौट गए लेकिन उनके घर का चूल्हा कई दिनों तक ठंडा रहा और रामचरण पैसों के अभाव में अस्पताल का बिल तक नहीं चुका पाया, उसके आंसू थमते नहीं नजर आ रहे थे।

रामचन्द्र धर्मदासानी,
उज्जैन
8989404424

हास्य कवि

व्यंग्य
अरण्यरोदन

वे हास्य कवि थे।सॉरी ,थे नहीं हैं।अभी उनका बाक़ायदा क्रियाकर्म नहीं हुआ है।वो तो आजकल कवि सम्मेलन और कंठ कल्याणी की कमी की वजह से कविता के मैदान में कम नजर आते हैं इसलिए भूतकाल में चर्चा की ।वे हास्य कवि थे ,हैं और आगे भी जब तक हैं रहेंगे ।वे हास्य कवि होने के नाते सब पर हंसते और सबको खुद पर हंसाते रहते हैं।कहते भी हैं जो दूसरों पर हंसता है एक दिन दूसरे लोग उस पर हंसते हैं।इस तरह हंसना-हंसाना चलता रहता है।उनके साथ भी कुछ ऐसी ही बात थी।वह हंसते थे तो लगातार हंसते जाते थे।यहां तक कि दर्शक दीर्घा के श्रोता ही नहीं मंच पर बैठे कवि और कवयित्री भी उन पर हंसने लगते थे।उनका हास्य कुछ ऐसे ही उत्पादित-विस्तारित होता था।उनकी सफाचट खोपड़ी और शकल पर उभरने वाली भंगिमायें उनके हास्य का आलंबन हुआ करती थीं।

मंच पर उखड़ने के बाद भी वे हास्य कवि थे क्योंकि वे हास्य रस की हंसी उड़ाने और उड़वाने में माहिर थे। अपने नश्वर शरीर के हर कोण और क्रिया से वे हास्य के शत-प्रतिशत अनुकूल थे। उनकी मौलिक मान्यता यही थी कि हास्य कविता में नहीं ,केवल उसकी प्रस्तुति में होता है।वे कविता को कवि कर्म नहीं मूर्त कला मानते थे।'स्पेसिफिक परफॉर्मिंग आर्ट इन ऑडियंस '।बाद के दिनों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने से उन्होंने खुद को हास्य बिल्डर ,हास्य डेवलपर तथा हास्य प्रेजेंटर कह कर अपनी मौलिकता को बचाए रखने के असंख्य प्रयत्न किए।असंख्य इसलिए कि हर बार मंच या माइक के सामने उन्हें नई-नई परिस्थितियों से जूझना पड़ता था और इसकी ठीक-ठीक संख्या अब उन्हें भी याद नहीं है।

वह हास्य कवि हैं इसका ज्ञान भी उन्हें दूसरों से प्राप्त हुआ ।जैसे शिशु को मां से ही अपने पिता का बोध होता है।कुछ मामलों में वे भी अबोध थे जैसे - क्या लिखते हैं ?किस रस में लिखते हैं ?किस छंद में लिखते हैं ? किसके लिए लिखते हैं ?या क्यों लिखते हैं ?उनकी काया तो ठीक ,पर उनकी कमर को लेकर उर्दू शायरों के कई शेर याद आते हैं जैसे- कहां यह लुत्फ़ चीते ने अगर पाई कमर पतली तुम्हारे होंठ पतले, उंगलियां पतलीं कमर पतली पतली कमर के पिछवाड़े सुसज्जित नितंब नायिका भेद में वर्णित नायिकाओं के नितंबों को भी चुनौती देते थे। उनकी बनावट और बुनावट भी कुछ उनके चेहरे मोहरे से मिलती जुलती थी।उनके बारे में यह धारणा निर्धारित नहीं हो पा रही थी कि वे किधर से क्या हैं। संघर्ष के प्रारंभिक दिनों में जब वे कवि सम्मेलन के मंचों पर चढ़ने भी नहीं दिए जाते थे उन्होंने ज्योतिषियों की सलाह पर कई नाम रखे और बदले जैसे -मुन्ना महान, सांड़ शालीन ,बेढब भयंकर ,कटखना करिया ,बेदिल प्रेतात्मा ,मरघटिया मुर्दा आदि आदि।इन नामों उपनामों से आपको उनकी मौलिक प्रतिभा का परिचय सहज ही मिल सकता है ।उनकी प्रामाणिक तुकबंदी नामी गिरामी लखनवी शायरों को भी आईना दिखाती थी और यह बताती थी कि उनकी कविता ने उर्दू शायरी के उस कालखंड की शर्मिंदगी से भरपूर लोहा लिया है। समकालीन साथी प्रतिस्पर्धी कवियों के चरित्र चित्रण में उन्होंने अनेक रचनाएं लिखीं जिसे वे नितांत व्यक्तिगत मुलाकातों में ही सुनाते थे ।जिन कवयित्रयों के साथ उन्होंने मंच शेयर किया ,लगभग उन सभी के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध बनाये।उनसे पत्रव्यवहार तथा दूरभाष पर दूरसंवाद भी निकटता की शैली में करते थे ।जब वर्षों तक कुछ हासिल नहीं हुआ तो वे प्रदर्शन के स्तर पर आध्यात्मिक हो गये। इन दिनों कविता और मंच दोनों से उनका मोहभंग हो चुका है।किन्तु शहर के हास्य प्रेमियों का उनसे मोहभंग नहीं हुआ।वे आज भी कहीं दिखते हैं तो घर के बाहर, मुहल्ले में ,चौराहे पर ,चाय या पान वाले के यहां लोग उन्हें घेरकर खड़े हो जाते हैं ताकि हास्य रस और हास्य कविता को श्रद्धा सुमन समर्पित कर सकें ।

डॉ.महेन्द्र अग्रवाल
स. नई ग़ज़ल सदर बाजार
शिवपुरी म.प्र. 473551
मो.9425766485

ज्ञान और प्राण के प्रणेता

व्यंग्य
तीसरी आँख

यह कैसी केमिस्ट्री जिसकी? रचना है सृष्टि इसमें छिपी हुई है मिस्ट्री चाहूं लिखना इसकी हिस्ट्री गुनगुना ही रहा? था कि मंगू आ धमका।

क्या गुनगुना रहे हैं गुरुवर , कैसी केमिस्ट्री? मां-बाप बाप बेटा भाई भाई पति पत्नी की केमिस्ट्री में इंटरफियरिंग रेडीकल्स अर्थात अवरोधक तत्व बाधक बन? सकते हैं परन्तु शिष्य यानी छात्र गुरु यानी शिक्षक अर्थात शिष्य शिक्षक की केमिस्ट्री में कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं कर सकता।

यह ऐसा अकाट्य संबंध है जो समय बीतने पर भी परिवर्तित नहीं होता। बीच में ही मंगू बोल पड़ा मैं बटुक आप गुरू के रिश्ते जैसा पर हम तो रोज मिलते हैं फिर भी मुझे हमेशा फटकार !जब दीर्घकाल बाद किसी शिष्य से भेंट हो तो खीज नहीं होगी! रिश्तों की असली पहचान तभी होती है जब शिष्य प्रतिष्ठित पद पर होने पर भी उनके व्यवहार में कृष्ण सुदामा जैसा बदलाव न आए। वे तो मित्र थे शिष्य गुरू से उसका क्या संबंध?

संबंध है, कृष्ण सांदीपनि को, राम वशिष्ठ को कभी न भूल पाए नित उठ स्मरण। वो कौन भाग्यशाली शिष्य है जिसके साथ केमीकल बॉण्ड है अर्थात केमिस्ट्री अभी भी जैसी की तैसी है, मेरे जिगर में समाया जिससे चार दशक बाद साक्षात्कार हुआ किस प्रयोजन से भेंट हुई? ईश्वर का आभार जिसने बीमारी दी।

वह भी जिसका उपचार मात्र शल्य चिकित्सा जिसकी शल्य क्रिया भी मेरे पटु शिष्य द्वारा ही सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। उस महान विभूति का परिचय देंगे मास्टरजी! सहर्ष, डॉ परविंदर लुवाना एवं सहयोगी डॉ मृगेन्द्र सिंह ,एपल हास्पीटल इंदौर मध्यप्रदेश। आपने डॉक्टर साहब में ऐसी कौन सी विशिष्टता देखी जो दूसरे शिष्यों से हटकर हो? विशेषताओं की फेहरिस्त तो बहुत लंबी है परंतु मुझे वह दृश्य आंखों के सामने उभर आता है जब जूड़ा बांधे गौरांग अधरों पर मुस्कान, कुंदकली (चमेली)के समान उज्जवल वर्ण दंतावाली बाला टीनएजर रसायन प्रयोगशाला की व्यवस्था संभालने में प्रवीण छात्र की प्रतिभा इंगित कर रही थी एक होनहार प्रतिभावान युवा शक्ति का प्रतीक को लोकप्रियता के चरण पर हिमालयीन ऊंचाइयां छूने से कोई रोक सकने में सक्षम होगा? संप्रति विख्यात जनरल सर्जन के रूप में अपनी योग्यता का परिचम लहरा रहा है जिनके अनुयायियों में से दो शरीर एक आत्मा के रूप में हैं युवा बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मृगेंद्र सिंह (रीवा मध्य प्रदेश) जिनकी कर्मठता योग्यता तथा समर्पण का दर्शन मैंने प्रथम मिलन में ही अनुभव किया

मुझे तो आप डांटते ही रहते हो कारण? तुम न शिष्य हो न छात्र, तुमने मुझे सिर्फ राजनीतिक गुरु के रूप में स्थान दिया है जो अप्रत्यक्ष रूप में स्वार्थता लिप्त है। स्वयं भारत के इतिहास में? जितने बड़े राजनीतिज्ञ हुए सब उनके गुरुओं की कृपा से, क्या वे भी स्वार्थी? सही पकड़े हो? मंगू , अब?तक के देश के प्रधानों को ही? ले? लो? कौन कितना समर्पित रहा अपने राजनैतिक गुरुओं प्रति ; ये ?वो? लोग? हैं ,जो चलना सिखाता है उसी? के कंधों पर चढ़ कर मटकी ?फोड़ जश्न मनाते हैं और वे कंधे इतिहास के पन्नों में गुम हो जाते हैं।

गुरुवर! आप पारस्परिक संबंध यानी केमिस्ट्री की चर्चा कर रहे थे उसे थोड़ा विस्तार में बताएं!

आज मैं तुम्हें संबंधों की केमिस्ट्री का राज बताकर तुम्हारे ज्ञान चक्षु खोलना चाहता हूं। ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना में दो अद्वितीय रचनाएं की हैं जो न भूतो न भविष्यति, वे हैं शिक्षक और चिकित्सक। जिसके नाम के आगे अधिकारी जुड़ा हुआ है वह उस? पद तक सीमित है इसीलिए उसे पदाधिकारी कहते हैं जो पद के साथ ही लुप्त हो जाता है अस्तित्व विहीन जबकि शिक्षक और चिकित्सक सनातनी शाश्वत शब्द हैं यह कभी भूतपूर्व नहीं होते जबकि पदाधिकारी के साथ पदच्युत होने पर भूतपूर्व लग जाता है।

वहीं शिक्षक जब चिकित्सक का गुरू बन जाता है तब चमत्कारिक इतिहास की रचना होती है जिसका वर्णन मैंने पूर्व में किया है। शिक्षक और चिकित्सक वर्तमान, भूत, भविष्य तीनों काल में याद किए जाते हैं।

वे अमरत्व को प्राप्त है। शिक्षक कुम्हार द्वारा घड़ा सृजन की तरह शिष्य को ढलता है और उसे बनाता है पूर्ण मानव। चिकित्सक मरणासन्न में प्राण फूंकता है, वह? मृत्यु लोक के स्वामी भगवान शिव का विशेष प्रतिनिधि है जो युगीन पूज्य है।

हमारी पार्टी के पुरोधा भारत को

विश्व गुरु बनाने की घोषणा कर चुके हैं क्या यह संभव नहीं है उन पुरोधाओं द्वारा? संभव है यदि वे शिक्षक और चिकित्सक की अंतरात्मा की आवाज का चिंतन कर उन जैसे गुणी और व्यवहारिक बनें। अंत में उनका सम्मान में इन पंक्तियों के साथ ब्रह्मा विष्णु इन्द्र आदि देवगण जुटि जाएं,लगि जाय जोर चाहे शंकर भवानी का। ज्वालामुखी फूटि उठे यत्र तत्र चारों ओर, संगठन होई चाहे शीत वायु पानी का। हे ईश वर एक मांगता हूं बार बार,मस्तक झुके ना कभी शिक्षक स्वाभिमानी का, चिकित्सक वरदानी का।

बच्चूलाल परमानंद दीक्षित
मिलन हाइट्स इंदौर
(मध्यप्रदेश)

कहानी

मुक्ति

परेश को अधिक पढ़ने की बुरी लत बचपन से ही पड़ गयी थी। वो याद करते हुए बताता है कि उस ज़माने में बच्चों के लिए कादम्बिनी, नंदन, पराग, चंपक, लोटपोट पत्रिकाएँ आती थीं और बड़ों के लिए साप्ताहिक हिन्दुस्तान और धर्मयुग प्रमुख रूप से साहित्यिक पत्रिका के रूप में उपलब्ध थे। एक बार पत्रिका का चस्का अगर लग गया तो आलम यह होगा कि आप ताज़ा अंक पढ़ने के बाद अगले अंक की प्रतीक्षा बेसब्री से करेंगे। परेश के एक शर्मा अंकल जी थे, उनके पास अक्सर सत्यकथा, मनोहर कहानियाँ, माधुरी भी देखने को मिल जाती थी और वो जासूसी नॉवेल्स के भी बहुत शौक़ीन थे। यदाकदा वह शरतचंद, टैगोर, प्रेमचंद आदि के साहित्यिक उपन्यास भी ले आते थे और देर रात तक पढ़ते रहते। उनकी पढ़ने की इस आदत से उनकी पत्नी बहुत परेशान रहती और कहती कि देखो तुम्हारे अंकल एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं। खैर, परेश भी उन पुस्तकों को एक झलक देख लेता और मौका मिलते ही कभी पूरा तो कभी काफ़ी हिस्सा पढ़ जाता और नतीज़ा यह निकला कि वह इस तरह पत्रिकाओं से कब साहित्यिक उपन्यासों की तरफ़ चला गया, उसे आभास ही नहीं हुआ। यह शौक दिन पर दिन परवान चढ़ता चला गया। बड़ा हो जाने पर उसने डायरियों में कुछ-कुछ लिखना भी आरंभ कर दिया था। अब वह यात्राओं के दौरान रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड से भी अपनी मनपसंद साहित्यिक किताबें लेता और कभी-कभी तो सीधे प्रकाशकों से ही घर पर मँगा लेता। उसका पुस्तक प्रेम इतना जगजाहिर हो चुका था कि अब जन्मदिन या मुलाकात होने पर भी लोग उसे अक्सर किताब और डायरी ही भेंट करने लगे थे। इस तरह उसके पास पुस्तकों और डायरियों का एक अच्छा खासा संग्रह बन गया था। यहाँ से वहाँ स्थान बदलने के क्रम में उन्हें भी साथ-साथ ही लेकर घूमता रहा। उसे याद है कि दिल्ली से चेन्नई आते वक़्त उसने किताबों के इन्हीं संग्रह की खातिर किराये का ट्रक तय किया था। बाद में उसका साहित्यिकारों से परिचय बढ़ना आरंभ हुआ और अब उसे उनकी भी खूब पुस्तकें मिलने लगीं। इस तरह चेन्नई के पिछले पन्द्रह बरस के जीवन में उसके पास इतनी पुस्तकें एकत्रित हो गईं कि अल्मारियों और रैक्स के आलावा बड़े-बड़े कार्टन्स पलंग के नीचे, साइड में और सिरहाने तक पुस्तकें ही पुस्तकें कुछ यूँ भर गईं कि पलंग पर सोते वक्त उसे पुस्तक सागर में शैया पर सोने का आभास होने लगा। फ़िर एक दिन एकाएक ही नए दूसरे फ़्लैट में शिफ्ट होने की बात आई तो घर में सबने आपसे परामर्श कर उसके समक्ष सामान छाँटकर हल्का करने का प्रस्ताव रखा, जिसमें उसकी ये पुस्तकें मुख्य तौर पर निशाना बनीं और फ़िर इनकी छंटाई का कार्य आरंभ हुआ। आपको शायद यकीन न आए पर इन्हें छाँटने में उसे करीब एक माह का समय लग गया। हालात यूँ हो गए थे कि किताबों के ढेर देख-देखकर खुद उसे और बाकी सदस्यों को चक्कर आने लगे थे। बचपन में सुनी कहावत, बूँद बूँद से घड़ा भरता है, याद आई तो अब उसको यूँ कहने का मन हुआ कि किताब-किताब से समन्दर बनता है। एक दिन बच्चों ने जब किताबों के ढेरों की ओर इशारा करते हुए उससे कहा, पापा जी आपने इतनी सारी किताबें पढ़ी हैं, तो उस ओर देखकर वह स्वयं बेहोश होते-होते बचा था। यह ठीक वैसे ही था जैसे एक व्यक्ति के बिस्तर के नीचे शाम को प्रतिदिन एक साँप छिप जाता था और वह करीब महीने भर उसी पर आराम से सोता रहा। लेकिन एक दिन जब उसकी माँ ने बिस्तर झाड़ा तो साँप निकलकर भागा और वह व्यक्ति यह देख इस भय के कारण ही मर गया कि वह साँप के ऊपर सोता था। खैर, कई शिफ्टों में पुस्तकों को उनके नए गन्तव्य तक पहुँचाया गया। पुस्तकों से विलग होने की इस समूची प्रक्रिया में परेश को बहुत आत्मिक कष्ट हुआ। उसकी मनोस्थिति देख श्रीमती जी ने मुझे समझाते हुए कहा, आपने उन्हें कई-कई बार पढ़ लिया है। अब वो न जाने कितने समय से इन डिब्बों में बंद पड़ी थीं, आपको खुश होना चाहिए कि उन्हें इस कैद से मुक्ति मिल गयी है। उसके दोनों पुत्रों ने भी उसे सांत्वना देते हुए समवेत स्वर में कहा, पापा जी आप ही तो अक्सर नीरज जी की यह ग़ज़ल गुनगुनाते और हमें सुनाते रहते हैं-'जितना कम सामान रहेगा, उतना सफ़र आसान रहेगा, जितनी भारी गठरी होगी, उतना तू हैरान रहेगा...और यह सुनते-सुनते परेश इसमें निहित आध्यात्मिक संदेश में डूब गया।

प्रो (डा.) सारिका मुकेश,
तमिलनाडु

कहानी

मन का इलाज

जैसे ही माधव के एक्सीडेंट में मौत हो जाने का समाचार मिला प्रबोध तत्काल अस्पताल की ओर भागा। उसे पता था माधव को सरकारी अस्पताल ले जाया गया था। माधव और प्रबोध बचपन के मित्र थे। दोनों में खूब पटती थी। दोनों ही साधारण आय वाले थे। उनकी घरवालियाँ भी घरों में खाना बनाने का काम करती थीं। किसी तरह वे लोग गुजर-बसर कर लेते थे। माधव जब काम से जा रहा था, एक गाड़ी के नीचे आ गया। जब तक लोग अस्पताल पहुँचाते वह दुनिया को अलविदा कह चुका था। पता लगाकर प्रबोध पोस्टमार्टम रूम पहुँच गया। उसने वहाँ के इंचार्ज से अनुरोध किया कि माधव का पोस्टमार्टम थोड़ा जल्दी हो जाए तो वे आज ही उसका अंतिम संस्कार कर सकते हैं। रिश्तेदारों को एक दिन कम रुकना होगा और मृतक के परिजनों पर खर्च का बोझ भी कम पड़ेगा। पोस्टमार्टम में जितना ज्यादा समय लगेगा, गरीबी में आटा उतना गीला होता जाएगा। 'यहाँ बहुत भीड़ है', इंचार्ज बोला- 'पोस्टमार्टम आज संभव नहीं है। आप दो सौ की रसीद कटवा लीजिए। फीस है। कल तक पोस्टमार्टम हो जाने की कोशिश करूँगा।' 'रसीद कहाँ बनवाना है?' प्रबोध ने पूछा तो इंचार्ज बोला, 'मुझसे और किससे?' प्रबोध को इंचार्ज का बात को घुमाना-फिराना अच्छा नहीं लगा। वह कुछ बोला नहीं।

बोलता भी तो क्या? उसने जेब से पांच सौ का नोट निकालकर दिया। इंचार्ज ने रसीद काटी और दो सौ रुपये वापस कर दिए। प्रबोध को लगा कि इंचार्ज से रुपये वापस करने में भूल हुई है। वह प्रश्नवाचक नजरों से इंचार्ज को देखने लगा। इंचार्ज को शायद उसका इस प्रकार देखना पसंद नहीं आया। वह बोला- 'सामने से हटो, दूसरे को आने दो।' 'आपने सौ रुपये कम लौटाए हैं', प्रबोध वहीं डटा रहा। 'सौ रुपये मेरे लिए हैं।' इंचार्ज के चेहरे पर कोई भाव नहीं थे। यह सुनकर प्रबोध हतप्रभ रह गया। एकाएक उसे समझ में नहीं आया कि कैसी प्रतिक्रिया दे। उसके मन में विचार-श्रृंखला प्रारंभ हो गई। कैसे लोग हैं, जो मरे हुए व्यक्ति के नाम पर अनुचित पैसे हड़पना चाहते हैं? यूँ तो अवैध कमाई कैसी भी हो, गुनाह है, परंतु एक असमय काल-कवलित हो जानेवाले के संबंधी से उत्कोच की आकांक्षा तो अपराध के साथ पाप की श्रेणी में आएगा। कहते हैं, एक घर डायन भी छोड़ देती है, लेकिन कोई मुर्दे को भी न बख्शे तो? जो बमुश्किल दो वक्त का भोजन जुटाता रहा हो, जिसकी पत्नी विधवा और बच्चे बिना बाप के हो गए हों, परिवार दर-दर भटकने की कगार पर आ गया हो, ऐसी लाश से रिश्वत की चाहत रखना, घोर पाप नहीं तो क्या है? प्रबोध ने किसी तरह अपनी भड़ास को निकलने से रोका और इंचार्ज से बोला- 'आप मुर्दे से भी पैसे चाहते हैं?' इंचार्ज ने निस्पृह भाव से प्रबोध को देखा। वह ऐसे सवालों और उपदेशों का सामना पहले भी कर चुका था। जवाब दे देकर न केवल सामनेवाले को अपितु वह स्वयं को भी समझा चुका था। उसने सात शब्दों में सात सौ पेज का बयान दे दिया- 'मेरे पास केवल मुर्दे ही आते हैं।' प्रबोध स्तब्ध सा हो गया। अचानक उसे इंचार्ज पर दया आने लगी क्योंकि इंचार्ज नहीं जानता था कि वह क्या गलत कर रहा है! वह अपनी अनैतिकता को मजबूरी की मासूम बेचारगी के फ्रेम में जड़कर प्रबोध को प्रभावित करना चाहता था। प्रबोध कुछ पलों के लिए ऊहापोह में पड़ गया कि सौ रुपये वापस माँगने के लिए और अड़े या नहीं। पता नहीं प्रबोध के हाव-भाव का अथवा इस संक्षिप्त वार्तालाप का असर हुआ, इंचार्ज ने पचास रुपए लौटाते हुए कहा कि तुम्हें आधी छूट देता हूँ। इंचार्ज की इस हरकत ने प्रबोध को निर्णय पर पहुँचा दिया- 'पूरे सौ रुपये वापस करो, सुधर जाओ और भविष्य में किसी से एक पैसा भी घूस न लेने की कसम खाओ, तो ठीक है वरना मैं सीधे पुलिस के पास जाऊँगा।' इंचार्ज ने एक पल के लिए प्रबोध को देखा, सौ रुपये लौटाए, कसम खाई और उसे रुकने का इशारा करते हुए भरोसा दिलाया कि वह माधव का पोस्टमार्टम जल्दी कराने की कोशिश करेगा। प्रबोध को अपनी बात के सही या गलत होने की पूरी समझ नहीं थी, लेकिन किसी को सही राह पर लाने का भाव आत्मसंतुष्टि दे रहा था।

-रमेश रंजन त्रिपाठी
इंदौर

मां की ख्वाहिश

इन्दौर। एक मध्यम वर्गीय का युवक साथ में मां,, यूं तो अक्सर घर से भागते मां को अस्पताल ले जाते कभी, कभी साधन नही मिलता तो मां को गोद में ही उठा कर अस्पताल की ओर निकल पड़ता है,,शुक्र है की माता जी इन दिनों ठीक थी! माता जी की तों कई इच्छाएं मैंने सुनी, जैसे जीते जी ज्योतिलिंग के दर्शन हो जाए, यह इच्छा कई बार सुनी, जो ज्यादा ही रही। लेकिन सांस फूलने की बीमारी के अलावा वृद्धावस्था में शरीर काफी कमजोर हो गया, जिसके कारण कहीं जाने से डरती रहीं। एक दिन खुश मिजाज से मां ने बेटे से कहा कि हवाई जहाज करीब से देखने की इच्छा होती है, अक्सर मां इसका जिक्र कर जिज्ञासा भरें सवाल पूछतीं थी बेटा ने सोचा कि माता जी कि दोनों इच्छा पूरी कर दी जाए,, मां की सहमति बैगेर बेटे ने अपनी भांजी के साथ खुद की हवाई जहाज यात्रा का टिकट बुक करा लिया। जाहिर असका खर्च दो महीने की कमाई जितना तो रहा होगा वह अपने दैनिक कार्य के जरिए अर्जित था लेकिन उसकी चिंता किए बगैर मां की ख्वाहिश पूरी करने में जुट गया। मां को सीधे एयरपोर्ट ले जाकर हवाई जहाज में बैठा दिया। बेटे के श्रद्धा के आगे मां कुछ बोल न सकी और हवाई जहाज के लिए त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग की संस्थान दर्शन करने पहुंच गई। दर्शन के दौरान भगवान भोलेनाथ बाबा से अपने बेटे के लिए कामना की हे बाबा मेरे बेटे को खूब सक्षम और सर्वमान्य बनाना। पाठकों यह कोई कहानी नहीं है यह इंदौर के एक फोटोग्राफर राजेश मालवीय का असल अनुभव है जिन्होंने अपनी मां की ख्वाहिशों को हकीकत कर दिखलाया। जिससे यह शिक्षा मिलती है कि अपने माता-पिता के अंतिम दौर में इच्छाओं को पूरा करना चाहिए। यह एक पुत्र का धर्म भी होता है।

ऐसी मां को मैं प्रणाम करता हूं। मां ऐसी हालत में पुत्र को क्या आशीर्वाद कामना देगी यह तो एक मां ही बता सकती है।

पत्रकार हीरालाल वर्मा

12वीं फेल की सफलता के बाद जीरो से रीस्टार्ट फिल्म अगले माह

उपन्यास को फिल्म स्क्रिप्ट में बदलने में करना पड़ी बड़ी मशक्कत : पाठक

इंदौर। 12वीं फेल फिल्म की जबरदस्त सफलता के बाद निर्माता-निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा इस फिल्म की प्रीक्वल 'जीरो से रीस्टार्ट' ला रहे हैं। यह फिल्म 13 दिसंबर 2024 को रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म का टीजर जारी हुआ।

यह जानकारी 12 वीं फेल फिल्म के लेखक अनुराग पाठक ने स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में दी। मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए वाणिज्यिककर विभाग के संयुक्त आयुक्त श्री पाठक ने बताया कि आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और उनकी आईआरएस इंस्पेक्टर पत्नी श्रद्धा जोशी के जीवन पर आधारित 12वीं फेल फिल्म हाल ही के वर्षों में सबसे प्रेरणादायक फिल्म रही। उन्होंने बताया कि वे और आईपीएस अधिकारी शर्मा दोनों की प्रारम्भिक शिक्षा ग्वालियर अंचल में हुई इसलिए वे सारे संघर्षों से वाकिफ रहे। शिक्षा और शासकीय सेवा में आने के बाद जब उन्हें लगा कि युवाओं को प्रेरणा देना चाहिए तब उन्होंने शर्मा

की सहमति लेकर 12वीं फेल किताब लिखी। हिंदी के बाद अब यह किताब अंग्रेजी, असमिया, पंजाबी, मराठी आदि भाषाओं में प्रकाशित होकर खूब बिक रही है। प्रीक्वल फिल्म जीरों से रीस्टार्ट में अभिनेता विक्रम मैसी ही रहेंगे। उनकी भी छोटी सी भूमिका नज़र आएगी। श्री पाठक को हाल ही में आईफा अवार्ड में दो कैटेगिरी में सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 से 2023 तक 12वीं फेल पुस्तक को फिल्म की कहानी में बदलने का काम चलता रहा। इस अवधि में उन्होंने सैकड़ों मर्तबा निर्माता-निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा से प्रत्यक्ष और ज़ूम पर मीटिंग की। श्री पाठक ने बताया कि उपन्यास और किताब को फ़िल्म स्क्रिप्ट में बदलने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ी। किताब लिखने में लेखक के पास पूर्ण स्वतंत्रता होती है जबकि फ़िल्मी स्क्रिप्ट में कई बंदिशों का ख्याल रखना पड़ता है। प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक राजकुमार हिरानी ने मेरी पुस्तक पढ़कर इस पर बेहतरीन फिल्म बनाए जाने का सुझाव श्री चोपड़ा को दिया था। लेखक श्री पाठक ने कहा कि उनकी प्रारंभ से इच्छा रही कि मनुष्यता को ऊपर उठाने के लिए कोई कार्य किया जाए। इस दिशा में उन्होंने लेखन का कार्य चुना। इस पुस्तक के पहले वे व्हाट्सएप पर क्रान्ति पुस्तक भी लिख चुके हैं। अन्य विषयों पर उनका लेखन कार्य जारी है। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने बताया कि लेखन के दौरान विभाग के उच्च अधिकारी राघवेन्द्र कुमार सिंह एवं लोकेश जाटव का प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। उनका मानना है कि लेखन कार्य करने की वजह से उनके कार्यालयीन कार्यक्षमता में भी वृद्धि हुई। लेखन कार्य से वे अपने अन्य कार्यों में उर्जा प्राप्त करते हैं। प्रराम्भ में श्री पाठक का स्वागत अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, महासचिव अभिषेक बड़जात्या, रचना जौहरी, सोनाली यादव, मीना राणा शाह, अर्जुन नायक एवं डॉ दीपक जैन ने किया। कार्टूनिस्ट गोविन्द लाहोटी 'कुमार' ने श्री पाठक को कैरीकेचर भेंट किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी एवं लेखन-अभिनय में रूचि रखने वाले विद्यार्थी मौजूद थे।

मप्र में निवेशकों को आमंत्रित करने विदेशी दौरे पर जाएंगे सीएम मोहन यादव

इन्दौर। फरवरी-2025 में भोपाल में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों को आमंत्रित करने और निवेश की संभावनाएं तलाशने के लिए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव रविवार 24 नवंबर से 30 नवंबर तक छह दिवसीय विदेश दौरे पर जाएंगे। उनके साथ उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारी भी रहेंगे। सीएम के दौरे की शुरुआत लंदन से होगी। यहां से 27 नवंबर को जर्मनी पहुंचकर निवेशकों से चर्चा करेंगे। विदेश यात्रा के दौरान तीन दिन यूनाइटेड किंगडम (यूके) के लंदन, बर्मिंघम और दो दिन जर्मनी के म्यूनिख और स्टटगार्ट शहर का दौरा करेंगे। इन स्थानों पर वह औद्योगिक सहयोग के प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे।

25 को वेस्टमिंस्टर में ब्रिटिश संसद का दौरा

मुख्यमंत्री 25 नवंबर को वेस्टमिंस्टर स्थित ब्रिटिश संसद, किंग्स क्रास और पुनर्विकास स्थलों का दौरा करेंगे। लंदन में फ्रेंड्स आफ मध्य प्रदेश (प्रवासी भारतीयों) द्वारा आयोजित रात्रि-भोज कार्यक्रम में शामिल होंगे। 26 नवंबर को उद्योगपतियों एवं भारत के उच्चायुक्त विक्रम के दोरईस्वामी से संवाद करेंगे। इन्वेस्टमेंट अपार्चुनिटीज इन मध्य प्रदेश, इंटरैक्टिव सेशन में लगभग 120 प्रतिभागियों से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री राउंट टेबल मीटिंग्स में इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं आटो, एजुकेशन, रिन्युएबल एनर्जी और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर्स में निवेश पर चर्चा करेंगे। उद्योगतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग भी करेंगे। 27 नवंबर को वारविक यूनिवर्सिटी का भ्रमण करने के बाद वारविक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप के डीन, फैकल्टी मेंबर्स और शोधार्थियों से संवाद करेंगे। इसके म्यूनिख पहुंचेंगे।

दो दिन जर्मनी में तलाशेंगे निवेश की संभावनाएं

मुख्यमंत्री 28 और 29 नवंबर को जर्मनी प्रवास पर रहेंगे। म्यूनिख और स्टटगार्ट में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। पहली सुबह बवेरिया राज्य सरकार के नेताओं और म्यूनिख में कौंसुल जनरल आफ इंडिया से चर्चा करेंगे। एसएफसी एनर्जी का भ्रमण करेंगे। बेयरलोचर ग्रुप द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगे। एक सत्र में काउंसिल जनरल आफ इंडिया, सीआईआई और इंवेस्ट इंडिया, इंडो जर्मन चैंबर आफ कामर्स के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में इंदौर के डॉ जैन का सम्मान

इन्दौर। इंदौर शहर के साथ ही देश के जाने माने एक्यूप्रेशर/एक्यूपंक्चर विशेषज्ञ डॉ.ए.के जैन को एक्यूथेरेपी, एक्यूपंक्चर,योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु विशिष्ट सम्मान 26 वें राष्ट्रीय/द्वितीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में एक्यूप्रेशर शोध, प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान , प्रयागराज के अध्यक्ष श्री जे पी अग्रवाल जी ने सम्मानित किया। डॉ जैन विगत 24 वर्षों से

एक्यूप्रेशर / एक्यूपंचर के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और इस विधा को जन जन तक प्रसारित करने के लिए शिक्षण प्रशिक्षण और उपचार के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। महाराष्ट्र एक्यूपंक्चर काउंसिल में सफल शिक्षक एवं योगा सर्टिफिकेशन बोर्ड आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के एग्जामिनर के साथ ही प्रयागराज संस्थान में प्रोफेसर के रूप में कार्य कर रहे हैं। डॉ जैन ने हजारों रोगियों को स्वास्थ्य लाभ दिया है जिसमें कई जटिल बीमारियां जैसे स्लिप डिस्क, सर्वाइकल स्पॉन्डलासिस, घुटने का दर्द, साइटीका, एवैस्कुलर नेक्रोसिस , कार्पल टनल सिंड्रोम न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर मुख्य रूप से हैं।

गंगा धाम में नवकुंडीय महारुद्र महायज्ञ की कलश यात्रा के साथ हुई शुरूआत

इंदौर। देवगुराडिया पहाड़ी स्थित श्री श्री 1008 नरसिंह पुरी डेरा गंगा धाम में नवकुंडीय महारुद्र महायज्ञ की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। जिसमे 500 से ज्यादा मातृशक्ति होने श्रद्धा के कलश उठाएं। यह आयोजन ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 नरसिंह पुरी महाराज की कृपा से हो रहा है। महायज्ञ में 1 दिसंबर तक आहुतियां दी जाएगी। लखन यादव ने बताया कि नवकुंडीय महारुद्र महायज्ञ की शुरुआत सुबह 8 बजे कलश यात्रा के साथ हुई सबसे पहले भगवान गुटकेश्वर महादेव का अभिषेक कर गंगा धाम के महंत श्री विभूति पुरी महाराज ने कलशो का पूजन अर्चन किया,इसमें 500 से ज्यादा महिलाओ ने श्रद्धा के कलश उठाए।

यात्रा बैंड गाजे बाजे के साथ देवगुराडिया स्थित गुटकेश्वर महादेव मंदिर से निकलकर गंगा धाम पहुंची। यात्रा में सैकड़ो मातृशक्ति सिर पर श्रद्धा के कलश लेकर शोभायात्रा में निकली, भजनों में महिलाएं नाचते गाते हुए चल रही थी, महाकाल बस में रमैया भक्त मंडल के 25 से ज्यादा कलाकार ढोल नगाड़े डमरू बजाते हुए चल रहे थे, बैंड बाजे शंखनाद करते युवाओं दल देखते ही बन रहा था, यात्रा में बग्गी पर भगवान शिव की तस्वीर विरजमान थी। यात्रा में रोहतक से पधारे महामंडलेश्वर करणपुरी महाराज, महंत विभूति पुरी महाराज सहित अनेक संत पैदल चल रहे थे। यात्रा का जामनिया के पूर्व सरपंच मुरली मामा और युवा समाजसेवी मनीष पटेल सहित अन्य भक्तो ने जगह-जगह विभिन्न मंचों से गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर स्वागत किया। गंगा धाम में यात्रा पहुंचते ही यज्ञशाला में मंडप प्रवेश वेद मंत्रों के बीच किया गया उसके बाद आहुतियां देने का क्रम शुरू हुआ। 1 दिसंबर तक हवन कुंड में आहुतियां दी जाएंगी । प्रतिदिन सुबह 8ः00 बजे से लेकर दोपहर 12ः00 बजे तक दोपहर को 1 ः00 बजे से लेकर 5 बजे तक हवन चलेगा। हवन की पूर्णाहुति 1 दिसंबर को होगी व विशाल भंडारा रहेगा।

इंदौर की बढ़ती कारों की समस्या और '15-मिनट सिटी' का समाधान

इन्दौर। इंदौर जो अपनी स्वच्छता और स्मार्ट सिटी पहल के लिए जाना जाता है, आज एक नई चुनौती का सामना कर रहा है- बढ़ती कारों की संख्या। हर साल सैकड़ों नई गाड़ियां सड़कों पर उतर रही हैं, जिससे यातायात का दबाव बढ़ता जा रहा है। यह न केवल ट्रैफिक जाम का कारण बन रहा है, बल्कि शहर की जीवन गुणवत्ता, पर्यावरण, और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। बढ़ती कारों के कारण शहर की सड़कों पर जगह की कमी हो गई है। एक अध्ययन के अनुसार, 200 लोगों को ले जाने के लिए जितनी जगह कारों को चाहिए, उतनी जगह में बसों, साइकिलों, या मेट्रो का उपयोग करके तीन गुना अधिक लोगों को ले जाया जा सकता है। कारें केवल 8त्न भारतीय परिवारों के पास हैं, लेकिन वे सार्वजनिक स्थानों और सड़कों का अधिकांश हिस्सा घेरती हैं। इससे बाकी नागरिकों के लिए पैदल चलने या साइकिल चलाने की जगह सीमित हो जाती है। इसके अलावा, गाड़ियों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण का मुख्य स्रोत बन गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरी इलाकों में 50% से अधिक प्रदूषण का कारण वाहन हैं। भले ही इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ रहा है, लेकिन टायर और ब्रेक के घर्षण से उत्पन्न धूल अभी भी पर्यावरण के लिए हानिकारक है। शोर प्रदूषण, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, भी तेजी से बढ़ रहा है। इन सभी समस्याओं के समाधान के रूप में '15-मिनट सिटी' का विचार सामने आता है। यह एक शहरी योजना है, जिसमें शहरों को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि नागरिकों को उनकी सभी जरूरतें-जैसे ऑफिस, स्कूल, बाजार, और अस्पताल-उनके घर से केवल 15 मिनट की पैदल या साइकिल दूरी पर उपलब्ध हों।

कैसे काम करता है यह मॉडल?

कार-मुक्त ज़ोन- शहर के व्यस्त इलाकों, जैसे बाजार या पर्यटन स्थलों को केवल पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के लिए खोला जा सकता है।

सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता- बसों, मेट्रो, और अन्य सार्वजनिक परिवहन का विस्तार किया जाए, ताकि लोग निजी गाड़ियों की बजाय इन्हें अपनाएं।

साइकिल और पैदल पथ का निर्माण- सुरक्षित और सुविधाजनक पथ बनाकर साइकिल और पैदल चलने को प्रोत्साहित किया जा सकता है। मिश्रित उपयोग वाले क्षेत्र- रिहायशी, व्यावसायिक, और मनोरंजन क्षेत्र एक साथ विकसित किए जाएं, ताकि लंबे सफर की जरूरत ही न पड़े। सार्वजनिक परिवहन न केवल अधिक लोगों को कम जगह में ले जाने में सक्षम है, बल्कि यह सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल भी है। उदाहरण के तौर पर, एक मेट्रो ट्रेन एक ही समय में सैकड़ों लोगों को ले जा सकती है, जबकि इतनी ही क्षमता के लिए दर्जनों कारों की आवश्यकता होगी। इसी तरह, बसें भी कम ईंधन में अधिक लोगों को गंतव्य तक पहुंचा सकती हैं। इंदौर, जो पहले ही स्वच्छता में मिसाल कायम कर चुका है, 15-मिनट सिटी मॉडल अपनाकर ट्रैफिक और प्रदूषण की समस्याओं को हल कर सकता है। शहर के व्यस्त इलाकों में कारों पर प्रतिबंध लगाकर पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों को प्राथमिकता दी जा सकती है। इसके अलावा, मेट्रो और इलेक्ट्रिक बसों का विस्तार करके सार्वजनिक परिवहन को अधिक आकर्षक और सुलभ बनाया जा सकता है। इंदौर जैसे शहर, जो विकास और स्वच्छता में अग्रणी हैं, इस दिशा में कदम उठाकर एक स्थायी और स्वस्थ भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं। तो, क्या आप भी एक ऐसे शहर की कल्पना कर सकते हैं, जहां हर ज़रूरत बस 15 मिनट की दूरी पर हो और कारों का शोर-शराबा अतीत की बात बन जाए?

- युवा लेखक समकित जैन

क्षय उन्मूलन के तहत स्वास्थ शिविर हुआ, 48 श्रमिक व मजदूरों का पंजीयन हुआ

भानपुरा(मंदसौर) । सिविल हॉस्पिटल भानपुरा, गरोठ एवं शामगढ़ में संचालित समस्त क्रेशर मशीन एवं अन्य खदानों पर कार्य श्रमिकों का टीबी एवं सिलिकोसिस की बीमारी को लेकर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उक्त स्वास्थ्य शिविर में समस्त श्रमिक एवं मजदूरों का टीबी एवं सिलिकोसिस की जांच की गई। उक्त कैंप में प्रभारी मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर किशोर सिंह परिहार , द्वारा श्रमिकों का चेकअप किया गया। साथ ही जरूरी जांच कबान्ट एक्स-रे एमटी टेस्ट आदि कराई गई। उक्त कैंप में 48 श्रमिक एवं मजदूरों का पंजीयन किया गया , उक्त शिविर में टीबी कार्यालय से जिला समन्वयक अधिकारी / डीपीसी/ सतीश शर्मा, एवं सिनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर एसटीएस अनिल टेलर उपस्थित रहे।

विद्या भारती मालवा मंदसौर विभाग कीआर्थिक कार्यशाला सम्पन्न

शामगढ़ (मंदसौर)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर शामगढ़ में 24 नवंबर को शामगढ संकुल (गरोठ,भानपुरा,सुवासरा ,शामगढ़ ,गांधीसागर विद्यालय) की अर्द्धवार्षिक आर्थिक लेखा निरीक्षण कार्यशाला मंदसौर विभाग समन्वयक राघवेन्द्र देराश्री के सानिध्य में संपन्न हुई । अर्द्धवार्षिक लेखा निरीक्षक तीन चरणों में पूर्ण हुआ । *प्रथम चरण* में कैश बुक लेजर मासिक, शुल्क पंजी, पावती आदि का मिलान किया गया । द्वितीय चरण में बिल वाउचर एवं विविध लेनदेन, बकाया, अग्रिम,विविध पंजीया,,अभिलेख आदि का अवलोकन किया। *तृतीय चरण* में विसंगति,नियम, आदर्श स्थिति,नियमावली आदि पर चर्चा की गई। अर्द्धवार्षिक आर्थिक लेखा निरीक्षण में विवेकानन्द शिक्षण समिति सुवासरा के अध्यक्ष वीरेंद्र जैन,विवेकानन्द शिक्षण समिति शामगढ़ के कोषाध्यक्ष अमृतलाल जैन,अध्यक्ष गोपाल कालरा, शामगढ़ विद्यालय के प्राचार्य प्रवीण पुरोहित, प्रधानाचार्य गोपाल डिगा सुवासरा विद्यालय के प्राचार्य मनीष पाटीदार, गरोठ विद्यालय प्राचार्य कैलाश जायसवाल, भानपुरा विद्यालय प्रधानाचार्य विपिन दुबे, गांधी सागर विद्यालय प्राचार्य विनोद धनोतिया उपस्थित रहे । अंत में विभाग समन्वयक के उद्बोधन के पश्चात विसर्जन मंत्र के साथ निरीक्षण समाप्त हुआ । उक्त जानकारी शामगढ़ विद्यालय प्रचार प्रमुख पीरुसिंह ने दी।

पशुपतिनाथ महादेव मेले में डिम्पल शाह के डांस ग्रुप ने अद्भुत प्रस्तुति दी ,नृत्य प्रस्तुति देख आनंदित हुए श्रोतागण

मन्दसौर। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर शनिवार की रात्रि को मुंबई की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना डिम्पल शाह ने अपने डांस ग्रुप के साथ प्रस्तुति दी। रात्रि 9 बजे से देर रात्रि तक उनके द्वारा व उनके डांस ग्रुप के द्वारा एक के बाद एक शानदार नृत्य की प्रस्तुतियां हुई जिसे सभी ने सराहा। उन्होंने अपने नृत्य की शुरूआत गणेश वंदना के नृत्य से की। उन्होंने ''देवा हो गणेशा............'' गीत पर अपने ग्रुप के साथ जमकर नृत्य किया। उनकी शिव ताण्डव नृत्य की प्रस्तुति को भी सभी ने सराहा। ''हर हर महादेव शंभु शंकरा...........'' गीत पर भी उनके द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। डिम्पल शाह के द्वारा महासती द्रौपदी की महिमा बताने वाले नृत्य की भी प्रस्तुति हुई उनके फोक डांस मेलोडी को भी सभी ने सराहा। पार्श्वगायक संजय चौधरी व पार्श्व गायिका हेमलता चौहान के द्वारा सभी कई युगल गीतों की प्रस्तुतियां दी गई। ''प्यार करने वाले जीते है शान से मरते है शान से ....'' गीत को सभी ने सराहा। ''ऐसी दिवानगी...........'' गीत पर भी श्रोताओं की खूब दाद मिली। दोनों ने ''जाने जहां ढूंढता फिर रहा ....'' गीत की भी प्रस्तुति दी जिसे सभी ने सराहा। आर. इवेंट मैनेजमेंट रतलाम के राजेश पंडित के कुशल संचालन में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा की श्रोतागण कलाकारों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। सुश्री हेमलता चौहान के साथ संजय चौधरी ने ''एक हसीना थी, एक दीवाना था.....''' गीत की भी प्रस्तुति दी। नृत्य ग्रुप के अन्य कलाकारों के द्वारा रंगीलो मारो ढोलना गीत पर भी जमकर नृत्य किया गया जिसे सभी ने सराहा। आज पशुपतिनाथ मेला में सवाई भाट इंडियन आइडल फेन नाईट्स की प्रस्तुति होगी नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, सीएमओ सुधीर कुमारसिंह, मेला अधिकारी पी.एस. धारवे ने बताया कि आज 25 नवम्बर को रात्रि 8.30 बजे से देर रात्रि तक नगरपालिका द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर पार्श्व गायक सवाई भाट अपनी प्रस्तुति देंगे।

सप्ताह में तीसरा दाह संस्कार किया समाजसेवी सुनील बंसल ने

मंदसौर। समाजसेवी पार्षद सुनील बंसल ने इस एक सप्ताह के अंदर तीसरी निराश्रित अज्ञात दिवंगत व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया। रविवार को जिला चिकित्सालय से सुबह 9.10 पर चौकी प्रभारी श्री नसरुद्दीन दरबार का फोन आया कि एक बुजुर्ग व्यक्ति जो जिला चिकित्सालय में भर्ती थे।उनकी उम्र 70 साल नाम पता जाति सब अज्ञात उसकी मृत्यु हो चुकी है उनका अंतिम संस्कार करना है। यह सूचना मिलते ही श्री बंसल ने रेडक्रॉस कार्यालय प्रभारी श्रीमती राजौरा को फोन लगाकर शव वाहन जिला चिकित्सा में बुलाकर अंतिम क्रिया का सामान लिया और जिला चिकित्सालय परिसर से मृतक के शव को शव वाहन से शिवना स्थित मुक्तिधाम पर ले जाकर उसका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि सुनील बंसल ने दी।

इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट सेंट थामस स्कूल ने जीता

मंदसौर।

जिला फुटबाल संघ मंदसौर के तत्वाधान में चल रही दो दिवसीय स्वर्गीय गौरव गिरवाल स्मृति अंडर 17 इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन सुबह दो सेमीफाइनल मैच खेले गए।

जिसमें पहला सेमीफाइनल मैच सेंट थॉमस और वात्सल्य पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया। इस मैच में सेंट थॉमस ने वात्सल्य पब्लिक स्कूल को 1-0 से हराया और फाइनल में जगह बनाई। दूसरा सेमीफाइनल मैच लोटस वैली स्कूल और सरस्वती स्कूल के बीच खेला गया, जिसमें सरस्वती स्कूल ने लोटस वैली स्कूल को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सेमी फाइनल मैच के मुख्य अतिथि मंदसौर नगर के विधायक श्री विपिन जैन रहे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया और जिला फुटबाल संघ को इस सफल आयोजन के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अब खेल जगत में बच्चों के लिए बहुत से सुनहरे अवसर हो गए है जिससे वो अपने खेल को और अच्छा निखर सकते है। फाइनल मुकाबला खेला गया जो की सरस्वती स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल के बीच रहा, इस फाइनल मुकाबले में सेंट थॉमस स्कूल ने सरस्वती स्कूल को तीन एक से हराकर विजेता की ट्रॉफी पर कब्जा किया। । फाइनल मैच में मुख्य अतिथि मंदसौर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, विशेष अतिथि पाटीदार ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल सर्जन श्री सी एस पाटीदार, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा और पार्षद श्री ईश्वर सिंह चौहान रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया और उन्हें अच्छे खेल के लिए शुभकामनाएं दी। फाइनल मैच के बाद हुए समापन समारोह में पुरस्कार वितरण भी किए गए जिसमें बेस्ट स्कोरर सरस्वती स्कूल के आनंद रहे जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 4 गोल मारे, बेस्ट गोलकीपर के लिए सेंट थॉमस स्कूल के नील रायमलानी को पुरस्कृत किया गया और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए सेंट थॉमस के तेजस सिंह जादौन को चुना गया। इस इंटर स्कूल टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी स्कूल के प्रशिक्षकों को भी जिला फुटबाल संघ मंदसौर के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष श्री बाबूलाल गुर्जर, सचिव श्री विपिन शर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह, मुजम्मिल काजी, गोवर्धन सिंह चौहान, राहुल नागौरे,कमल कंडारे ,मुकेश हीवे , अक्षय उपाध्याय अंकित मंडोवरा, अज्जू नागोरी, अविनाश उपाध्याय, सचिन काले, दीपक शर्मा, शैली भैया, आदि उपस्थित रहे।

गीता भवन में सात दिवसीय गीता जयंती महोत्सव एवं नेत्र शिविर अगले माह

मन्दसौर। 52वां गीता जयंती महोत्सव एवं 49वां नेत्र शिविर धर्मधाम गीता भवन में 17 दिसम्बर से 23 दिसम्बर 2024 तक मनाया जावेगा। सात दिवसीय गीता जयंती महोत्सव अर्न्तत. रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रधान पीठाधीश्वर श्रीमद् जगतगुरू स्वामी श्री रामदयालजी महाराज शुभारंभ करेंगे एवं गीता ज्ञान एवं जम्बूसर कथा पर ज्ञान गंगा प्रवाहित करेंगे।

उपरोक्त जानकारी धर्मधाम गीता भवन के सचिव अशोक त्रिपाठी ने गीता भवन में आयोजित गीता भवन ट्रस्ट एवं गीता भवन परिवार के सदस्यों की सार्वजनिक बैठक में दी। गीता भवन के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में श्री रामनिवासजी महाराज ने कहा कि गीता जयंती महोत्सव एवं नेत्र शिविर का लाभ क्षेत्रवासियों को मिले इसके लिये व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना चाहिये एवं इस संबंध में सभी के सुझाव आमंत्रित है।

इस अवसर पर गीता भवन परिवर के विशेष आमंत्रित सदस्य पं. ब्रजेश जोशी ने सुझाव दिये। । डॉ. घनश्याम बटवाल एवं पं. ब्रजेश जोशी मीडिया का दायित्व संभालेंगे। नेत्र शिविर के अलावा एक दिन सर्वरोग निदान शिविर आयोजित करने के प्रयास किये जा रहे है। डॉ. दिनेश तिवारी को गीता ज्ञान प्रतियोगिता का संयोजक बनाया गया है। एक दिन गीता ज्ञान प्रतियोगिता होगी। इस अवसर पर गीता भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज, संरक्षक ट्रस्टी श्री नरेन्द्र नाहटा, उपाध्यक्ष श्री जगदीश चौधरी, सचिव अशोक त्रिपाठी, ट्रस्टी बंशीलाल टांक, विनोद चौबे तथा शेषनारायण माली के अलावा विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ. घनश्याम बटवाल, ब्रजेश जोशी,, डॉ. प्रवीण मण्डलोई, डॉ. दिनेश तिवारी, नवनीत मोहनलाल पारीख, शुभम बैरागी, अमन फरक्या, सत्यनारायण सोमानी, राजेश विजयवर्गीय, रजनीश पुरोहित, पुजारी गीता भवन पं. अभिषेक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

बर्फीली हवाओ ने बढ़ाई ठिठुरन,मंदसौर में बढ़ी ठंड, अगले 3 दिनों तक रहेगी कड़ाके की सर्दी

मंदसौर। मन्दसौर में उत्तरी हवाओं की वजह से तापमान में गिरावट का दौर बना हुआ है। सोमवार से इसमें मामूली इजाफा देखने को मिल सकता है। जिले में अधिकतम तापमान 26 डिग्री व न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम केंद्र के अनुसार उत्तर से बर्फीली हवा का सबसे ज्यादा असर भोपाल संभाग और उसके आसपास हो रहा है। मौसम विभाग की माने तो अगले 3 दिन प्रदेश में कड़ाके की ठंड रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ों पर बर्फ पिघलने के बाद वहां से आई बर्फीली हवा से ठंड बढ़ी है। अगले दो-तीन दिन और ऐसी कड़ाके ठंड से राहत के आसार नहीं है। वर्तमान में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन के रूप में उत्तरी हिस्से में एक्टिव है। वहीं पूर्वी हिस्से में एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव है। उत्तरी हवाएं भी प्रदेश में आ रही है। इसकारण तेज ठंड है।

सर्दी से बचाव हेतु दिव्यांग बच्चों को ऊनी वस्त्रों का वितरण किया

मन्दसौर। लॉयन्स क्लब मंदसौर गोल्ड द्वारा डिस्ट्रिक्ट परिकल्पना सेवा एवं संस्कार के अंतर्गत पलोड़ परिवार द्वारा पिताश्री स्व.घनश्याम जी पलोड़ की स्मृति मे दिव्यांग बच्चों को ठंड से बचाव हेतु स्कूल के बच्चों को ऊनी स्वेटर ,गरम केप,एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। गरम मुलायम ऊनी वस्त्र पाकर बच्चे खुशी से झूम उठे ,उनके चेहरों पर पर खुशी के भाव देखकर सभी आनंदित हो गए। स्वागत उद्बोधन लायन अध्यक्ष सीए सिद्धार्थ अग्रवाल ने दिया। अतिथियों का स्वागत होस्टल वार्डन रजनी सिसौदिया,अर्चना बैरागी ,ज्योति पालडिया ,उर्मिला पवार ,राहुल चौहान ने किया लायंस क्लब मन्दसौर गोल्ड की और से श्रेत्रिय अध्यक्ष लायन दिनेश बाबानी, पूर्व अध्यक्ष लायन विजय पलोड़ ,लायन राजकुमार पारीख, कोषाध्यक्ष लायन विनोद उकावत, लायन मनोज मित्तल, लायन रामगोपाल गुप्ता,लायन संजय पारीख ,लायन वीरेंद्रसिंह चौहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लायन विजय पलोड़ ने किया। अंत में सचिव लायन मनोज सेवानी ने आभार व्यक्त किया।

भानपुरा से भी जुड़ी हुई है कृष्ण -बलराम के सांदीपनि आश्रम जाने की कथा: डॉ प्रदुमन भट्ट

भानपुरा(मंदसौर)। भगवान वासुदेव श्री कृष्ण और बल भद्र जी के उपनयन संस्कार उपरांत मथुरा से चल कर उज्जैन में काशी के रहने वाले आचार्य गुरु सांदीपनि के उज्जैन स्थित गुरुकुल में चौंसठ विद्याओं के अध्ययन को केवल चौंसठ दिनों में पूर्ण करने वाले अप्रतिम मेधा, अपरिमित शक्ति और ज्ञान से सम्पन्न योग योगेश्वर श्री कृष्ण तथा बल राम जी यानी बल भद्र जी के गुरुकुल मार्ग पर स्थानीय इतिहास और पुराविद् डॉक्टर प्रद्युम्न भट्ट से एक भेंट वार्ता में डॉक्टर भट्ट ने बताया कि उपनयन संस्कार संपन्न होने के बाद बाबा नन्द राय जी ने भगवान कृष्ण के कुलगुरु गर्गाचार्य के परामर्श से उन्हें सांदीपनि जी के उज्जैन स्थित गुरुकुल में भेजना सुनिश्चित किया । गुरुकुल में विद्यारंभ से पहले नंद राय जी ने संकल्पित एक लक्ष गोदान पूर्ण किया ।सजे हुए रथ पर सारथी तथा परिचारकों के साथ मथुरा से प्रस्थान किया आज के समय के तीन राज्यों से उनकी यह यात्रा हुई मथुरा उत्तरप्रदेश से चल कर भरत पुर बयाना होते हुए चंबल के दाहिने तट पर केशोराय पाटन ,,धनेश्वर,भैंस रोड़ गढ़ होकर चंबल पार कर चंदा घाटी से वे मालवा के हिंगलाज गढ़ के पूर्व में केंथ स्थली यानी के थूली, निम्बस्थली यानी निमथुर जिस जगह भगवान कृष्ण के चचेरे भाई नेमीनाथ जी की बारात गिरनार जाते रस्ते में रुकी थी ऐसा लोक में प्रबल विश्वास है उसी के आगे बलभद्रपुर यानी बाबुल्दा जो ताम्राश्म युगीन बस्ती रही जिस जगह अभी विशाल शिवालय के प्राचीन अवशेष निकले,उसी से आगे सुवासरा के पास द्वापर युग की घसोई,के बाद गर्ग रा तट पुरम गंग धार होकर गर्ग ऋषि की तपस्थली गोगा पुरम होकर महिद पुरम यानी शिप्रा तट पर पहुंचे उसी के पास शिप्रा तट पर नारायणा जी कृष्ण सुदामा की गाथा कह रहा पावन स्थल है ।नारायणा से मात्र बीस किलोमीटर पर गुरुदेव सांदीपनि जी के गुरुकुल में पहुंचे ।डॉक्टर भट्ट से पूछने पर उन्होंने यह बताया कि यह विषय भावना ,,आस्था और श्रृद्धा से जुड़ा हैं लेकिन महा भारत युगीन ,पूर्व बौद्ध युगीन मार्गों पर विचार करें तो दो मार्ग सामने आते हैं एक मार्ग मथुरा से माधमिका यानी चित्तौड़ होकर दशपुर यानी मंदसौर होकर उज्जैन जाता था दूसरा मार्ग मथुरा बयाना केशोराय पाटन,बूंदी क्षेत्र से ,धनेश्वर होकर मालवा के निम्बस्थली घोष वती गोगापुर नारायणा होकर उज्जैन जाता था। डॉ भट्ट के अनुसार यही मार्ग का उन्होंने अनुसरण किया होगा चूंकि इसी मार्ग के बाजू में महाभारत युगीन शैल चित्रों की विश्व प्रसिद्ध वीथिका में विभिन्न प्रकार के रथों का अंकन है ।पशुपालन गो पालन के दृश्य है छत्तरी स्थित नंदी गोवर्धन संकल्पना को रुपायित करता है कोटा के पास कनवास यानी कण्व वास कण्व ऋषि का आश्रम, गागरॉन जो गर्ग ऋषि से संबंध रखता है। बूंदी के पास कुक्की ओम जी ने पंच वृष्णी वीर शैल चित्रों में खोजें जिनको भारतीय पुरातत्व विभाग ने कृष्ण बलभद्र सांब प्रद्युम्न अनिरुद्ध माना है ।वह युग पुरातत्व की दृष्टि से ताम्राश्म युग था । और उस समय मुकुंदरा दर्रा प्रचलित नहीं था पथरीला मार्ग रथों के आवागमन के लिए सरल नही था ।साथ ही प्राचीन सभ्यताएं नदी तटों पर विकसित हुई नदी तटों के साथ साथ के मार्ग तब ज्यादा सुलभ ओर सुरक्षित होते थे। इस लिए वासुदेव श्री कृष्ण बलभद्र जी ने उक्त मार्ग का ही अनुसरण किया होगा। डॉ भट्ट ने चर्चा में अनेक शोध पुस्तकों का और पुराणों तथा संहिताओं का भी उल्लेख किया।

नपा अध्यक्ष के प्रयासों से शामगढ़ को मिली एक और बड़ी सौगात

शामगढ़(मंदसौर)। शामगढ़ को एक और बड़ी सौगात मिलने वाली है ,नगर में ट्रैफिक की समस्या समाप्त होने वाली है । शामगढ़ के मुख्य मार्ग सुवासरा रोड से लगाकर शामगढ़ गरोठ रोड छोटी पुलिया तक सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा । जिसकी चौड़ाई 15 मी रहेगी ।

इसके अलावा शामगढ़ अस्पताल चौराहे से लगाकर डिंपल चौराहे तक डिवाइडर बनेगा । सिटी एरिया का सीसी रोड जिसकी कुल चौड़ाई 50 फिट रहेगी रोड के दोनों तरफ पेवर ब्लॉक लगाकर धूल की समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाएगी ।बारिश के समय में गरोठ रोड डिंपल चौराहे पर जो पानी भरने की समस्या उत्पन्न होती थी उसके समाप्ति के लिए एक एक बड़े नाले का निर्माण रोड के दोनों तरफ किया जाएगा जो की छोटी पुलिया में जाकर मिलेगा । नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राजू भाई नरेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि शामगढ़ नगर में गरोठ रोड अस्पताल चौराहे से लेकर डिंपल चौराहा तक एक रोड बनेगा ।अस्पताल चौराहे से लेकर डिंपल चौराहे तक डिवाइडर का निर्माण किया जाएगा जिसके ऊपर सुंदर लाइटिंग की व्यवस्था करके फूलदार पौधे लगाए जाएंगे रोड के दोनों तरफ पेवर पेपर ब्लॉक लगाने से धूल की समस्या समूल नष्ट हो जाएगी । इसके लिए कंपनी के मैनेजर एवं नगर परिषद की संयुक्त टीम ने आज सर्वे कर के पूरे नगर के रोड का अवलोकन लिया।

सर्वे में इन लोगों ने लिया भाग

कंपनी के मैनेजर व अधिकारी राजूभाई ,नरेंद्र यादव युवा नेता अंकित यादव, सीएमओ सुरेश कुमार यादव ,इंजीनियर शिविका श्रीवास्तव स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र उपाध्याय बृजेश टेटवार जलकल सभापति बंटी अश्क पार्षद पंकज मुजावदिया पार्षद प्रतिनिधि गोपाल खाती पटेल नवीन फरक्या दीपक जांगड़े लाल खाती अशोक मीणा वह अन्य कोई नगर वासी उपस्थित रहे ।

विधिक सेवा प्राधीकरण एवं गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्टने आयोजित किया ई-ट्राईसायकल एवं ई-रिक्शा कार्यक्रम

मन्दसौर।

धनबल बहुत लोगों के पास होता है लेकिन परोपकार करने की भावना दिल से होती है। पैसा हो या नहीं इससे फर्क नहीं पड़ता है लेकिन भावना से किया गया परोपकार ही मायने रखता है। उक्त उद्गार आज प्रदेश के उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति श्री सुबोध अभ्यंकर ने मन्दसौर में आयोजित विधिक सेवा प्राधीकरण मन्दसौर एवं गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट ने संयुक्त रुप से दिव्यांगजन हेतु ई-ट्राईसायकल एवं विधवा व परित्यक्ता महिला हेतु ई-रिक्शा वितरण कार्यक्रम में व्यक्त किये।

मन्दसौर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधिपति श्री सुबोध अभ्यंकर, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, इन्दौर, माननीय न्यायाधीश श्री कपिल मेहता, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मन्दसौर, श्रीमति अदिति गर्ग, कलेक्टर, श्री अभिषेक आनन्द, पुलिस अधीक्षक, एवं गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमेन श्री प्रदीप गनेड़ीवाल रहे। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री कपिल मेहता ने अपने उद्बोधन में ट्रस्ट के कार्य को सराहा। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज न्याय, समाज और मानवता का संगम हुआ है। सभी अगर मिलकर कार्य करें तो ही समाज का उत्थान सम्भव है। पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद ने भी अपने उद्बोधन में ट्रस्ट की गतिविधियों की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में 20 दिव्यांगों को ई-ट्राईसायकल एवं 12 ई-रिक्शा हितग्राहियों को न्यायमूर्ति श्री सुबोध अभ्यंकर के कर कमलों द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में मन्दसौर न्याय विभाग के सभी न्यायाधीश उपस्थित रहे साथ ही वात्सल्य पब्लिक स्कूल परिवार एवं 71 ई-रिक्शा चालक महिलाएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ई-रिक्शा की महिला चालकों से न्यायमूर्ति ने उनके अनुभव पूछे और क्या-क्या दिक्कतें आती हैं, उसके बारे में जाना। मंच संचालन वात्सल्य पब्लिक स्कूल की शिक्षिकाओं द्वारा किया गया एवं आभार ट्रस्ट के पदाधिकारी द्वारा व्यक्त किया गया।

तालाब में मछली पकड़ने के दौरान डोंगी नूमा नाव पलटने से नाबालिक की डूबने से मौत

रतलाम।

जिले के गांव कमेड़ में रविवार को मछली पकडने गए किशोरों के साथ हादसा हो गया। 2 किशोर डोंगी नूमा नाव में बैठकर जबकि अन्य युवक ट्यूब के सहारे मछली पकडने के लिए तालाब में गए जहां नाव पलट गई।

युवक ने एक किशोर को ट्यूब को सहारे किनारे तक खींच लिया लेकिन हादसे में दूसरा किशोर डूब गया। बाद में पुलिस और एसडीआरएफ भी सूचना पर पंहुची लेकिन शाम तक चलाए गए रेसक्यू ऑपरेशन के बाद भी दूसरे किशोर का पता नहीं लगा।

जानकारी के अनुसार गांव कमेड़ में वन विभाग का तालाब है जहां एक व्यक्ति का मछली पकडने का ठेका है। नाबालिग किशोर अक्सर उसके लिए मछली पकडने तालाब में जाते हैं। रविवार सुबह करीब 10 बजे राजू निनामा उम्र 14 और इरफान खान 14 मछली पकडने के लिए डोंगी में बैठकर तालाब में गए थे।

इस दौरान 22 वर्षीय बबलू भी इनके साथ टायर- ट्यूब के सहारे जाल बिछवाने के लिए पानी में उतरा था। जाल डालते समय ही संतुलन बिगडने से इनकी डोंगी पलट गई। इसे देखकर बबलू ने इरफान को अपने साथ टायर के सहारे खींच लिया लेकिन राजू नाव के साथ पानी के नीचे चला गया। उनके अनुसार बबलू, इरफान को खींचकर किनारे

तक लाया लेकिन तब तक राजू पानी में डूब चुका था और कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। बबलू ने उसे ढूढने की कोशिश की और इरफान ने गांव वालों को हादसे की सूचना दी। परिवार वालों के साथ बड़ी संख्या में गांव के लोग तालाब किनारे एकत्रित हो गए।

कई घंटों तक चली सर्चिंग

गांव वालों ने तालाब में गोते लगाकर और मछली पकडने वाले जाल की मदद से भी राजू को ढूढने की कोशिश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं लगा। इस बीच सूचना मिलने पर बिलपांक थाने से पुलिस बल और अधिकारी भी मौके पर पंहुचे और होम गार्ड तथा स्टेट डिजास्टर रिलीफ फोर्स की टीम को भी बुलवाया गया। टीम के जवान नाव, रस्सी, जैकेट आदि संसाधन लेकर पंहुचे और किशोर को ढूढने के लिए दोपहर में राहत अभियान शुरु किया गया। करीब 4 घंटे तक नाव, गोताखोंरों और जाल की मदद से किशोर को ढूढने के बाद भी उसका शाम करीब 6 बजे तक कोई सुराग नहीं लगा।

घातक लापरवाही पर उठे सवाल

जानकारी के अनुसार कमेड़ में स्थित वन विभाग के इस तालाब की गहराई अधिक है। जिस व्यक्ति द्वारा मछली पकडने का ठेका लिया गया है वह हमेशा नाबालिग किशोरों से काम करवाता है। किशोरों और बच्चों को न तो तैरना आता था और न ही कोई सुरक्षा संसाधन थे।

मछली पकडने के लिए इनके पास व्यवस्थित नाव तक नहीं थी। हादसे के बाद भी राहत या बचाव के लिए कोई संसाधन यहां तक कि रस्सी भी उपलब्ध नहीं थी जिससे राहत कार्य शुरु करने में भी बहुत देरी हो गई। जब तक पुलिस और एसडीआरएफ ने किशोर का पता लगाने काम शुरु किया तब तक उसके बचने के आसार खत्म हो चुके थे।

आचार्य श्री नयचंद्र सागर जी महाराज एवं साध्वी अमिपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा का भव्य मंगल प्रवेश

सैलाना। सैलाना की धन्य धरा पर तीन दिवसीय तप पाराणा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रविवार को आचार्य श्री नयचंद्र सागर जी महाराज एवं साध्वी अमिपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। परम पूज्य आचार्य गुरु भगवत शिवगढ़ से उग्र विहार करते हुए रविवार को सुबह सैलाना पंहुचे। जहां गुरु भगवंत के आगमन पर सकल जैन श्री संघ का चल समारोह कसेरा धर्मशाला से नगर के मुख्य मार्ग से होता हुआ जैन मदिर पहुंचा। स्थानीय जैन मंदिर में पूज्य गुरुदेव ने धर्म प्रभावना देते हुए कहा कि जो समय,रात्रि बीत जाती है वह लौटकर वापस नही आती, यही स्थिति धर्म और अधर्म की है। जो समय अधर्म में बीत गया वह उसके लिए निरर्थक है वह उस समय को लाखों रुपये खर्च कर वापस नही पा सकता है। उसका कोई मूल्य नही है। लेकिन जो समय आपके हाथों में है उसे सार्थक बनाने का प्रयास आप अवश्य कर सकते हो।पूज्य गुरुदेव ने कहा कि जब जब श्रावक संसार के कार्यो से निवृत जो जाए उस वक्त को प्रमाद में नही बीताते आराधना में लगाये जिससे धर्म की नैय्या पार लग सके। कसेरा धर्मशाला में आयोजित नवकारसी का धर्म लाभ सकल जैन श्री संघ ने लिया।

महिला की हत्या करने वाले प्रेमी को आजीवन कारावास

रतलाम। महिला की हत्या करने वाले प्रेमी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा दी है। फैसला प्रधान सत्र न्यायाधीश उमेश पांडव ने दिया। आरोपी पर 8 हजार रुपए का जुर्माना भी किया गया है। जिला लोक अभियोजक सुरेश कुमार वर्मा ने बताया कि 12 जून 2023 को बिलपांक थाना क्षेत्र का संजय गामड़ अपनी पत्नी को उसके मायके छोडने जा रहा था। रास्ते में बिलपांक टोल नाके के पास उसने पत्नी के प्रेमी विनोद पिता कैलाश अटेडिया को कॉल किया इसे मायके छोडने जा रहा हूं आखिरी बार बात कर ले। गुस्सा होकर विनोद मौके पर आया और विवाद करने लगा। संजय के सिर पर लट्ठ मारा और फिर संजय की पत्नी का गला पकड़कर फोरलेन से गुजर रहे ट्रक के सामने धक्का दे दिया। ट्रक की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। कोर्ट में 17 गवाह के कथन, 58 दस्तावेज और 11 आर्टिकल साक्ष्य पेश किए गए। इस आधार पर कोर्ट ने सजा दी है। जिला अस्पताल आया तो पकड़ाया था प्रेमी = बिलपांक टोल नाके के यहां महिला को धक्का देने के बाद उसका हाल जानने प्रेमी विनोद जिला अस्पताल आया था। यहां पति ने उसे पहचान लिया और मौजूद पुलिसकर्मियों को बता दिया। इस पर पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया था। घायल संजय ही घायल अवस्था में पत्नी को लेकर जिला अस्पताल आया था।

साहित्य सरोकार : अक्षरों का अध्येता और शब्दशक्ति का परखी होता है रचनाकार

रतलाम। वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. अज़हर हाशमी ने कहा है कि एक रचनाकार अक्षरों का अध्येता और शब्द शक्ति का परखी होता है। वह समाज के समंदर में से एक सुई निकालकर यह साबित करता है कि सृजनात्मक आकाश में कुछ भी असंभव नहीं है। वह अपने रचनाकर्म में रत रहते हुए निरंतर नए प्रयोग करता है, जो समाज के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। प्रो. हाशमी ने युवा साहित्यकार आशीष दशोत्तर की नवीन कृति %घर के जोगी % पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनका अभिनंदन किया। प्रो. हाशमी ने कहा कि शब्दों की गरिमा उसे प्रयोग करने वालों पर निर्भर करती है। आशीष दशोत्तर ने विभिन्न विधाओं में लिखते हुए शब्दों की गरिमा को कायम रखा है। यह शहर के भविष्य के लिए सुखद है। उन्होंने कहा कि सृजन का क्षेत्र बहुत विस्तृत है और इसमें निरंतर अध्ययन, चिंतन और लेखन करने वाला व्यक्ति ही सफल होता है। साहित्य सृजन के लिए आवश्यक है कि अपने पूर्व के रचनाकारों को पढ़ा जाए और उन्हें समझा भी जाए। इसी से वर्तमान की दिशा तय होती है और भविष्य का आकर भी निश्चित होता है। निरंतर बेहतर साहित्य सृजन के लिए अपने परिवेश से सीखना और अपनी एक राह बनाना भी महत्वपूर्ण होता है। प्रो. हाशमी ने इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं प्रदान करते हुए श्री दशोत्तर के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पुलिस ने सेमलिया चौराहा से लेकर थाना गेट तक की यातायात व्यवस्था को किया दुरुस्त

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार (भा.पु.से.), के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा (रा.पु.से.), के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नामली के नेतृत्व में कस्बे की यातायात व्यवस्था को सुगम व सूचारु बनाने के लिए अभियान के तहत 23 नवंबर को सेमलिया चौराहा से थाना गेट तक के मार्ग पर अव्यवस्थित रुप से लगे वाहनो, सब्जी फ्रूट के हाथ ठैलागाडी वालो, फुटपाथ पर सब्जी बेचने वालो व दुकानो के बाहर फुटपाथ पर रखे सामान को दुकानदारो को समझाईस देकर हटवाया जाकर सेमलिया चौराहा से लेकर थाना गेट तक के मार्ग को यातायात के लिए सुगम व सूचारु किया गया। साथ ही नगर निगम की टीम एवं यातायात की टीम द्वारा चालानी कार्यवाही भी की गई।

पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर ढाई माह में 229 स्थाई वारंटीयों को किया गिरफ्तार

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा रतलाम जिले की कमान संभालने के बाद से ही आदतन अपराधियों विभिन्न प्रकरणों में फरार चल रहे वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए गए थे। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा के मार्गदर्शन में रतलाम पुलिस द्वारा विगत कई वर्षो से फरार चल रहे स्थाई वारंटीयो की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान 12 सितंबर से प्रारंभ किया गया था। अभियान के अंतर्गत 01 नवंबर तक पुलिस द्वारा विभिन्न प्रकरणों में फरार चल रहे 150 स्थाई वारंटीयो को गिरफतार कर न्यायालय में पेश किया गया था। साथ ही 1964 गिरफतारी वारंट तामिल कराए गए थे। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में लगातार कार्यवाही करते हुए रतलाम पुलिस द्वारा नवंबर माह में भी 79 स्थाई वारंट एवं 623 गिरफतारी वारंट तामील कराए। अभियान के तहत अभी तक कुल 229 स्थाई वारंट, एवं 2587 गिरफतारी वारंट तामील कराए गए। रतलाम पुलिस का स्थाई वारंटियों की धरपकड़ अभियान लगातार जारी है।

ढाई माह में 229 स्थाई वारंटी गिरफ्तार, 2587 गिरफ्तारी वारंट कराए तामिल

रतलाम। जिले की कमान संभालने के बाद से एसपी अमित कुमार के निर्देशन में रतलाम पुलिस द्वारा आपराधिक तत्व और अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। आदतन अपराधियों और विभिन्न प्रकरणों में फरार चल रहे वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु भी विशेष अभियान चलाया गया। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एएसपी राकेश खाखा के मार्गदर्शन में रतलाम पुलिस द्वारा विगत कई वर्षो से फरार चल रहे स्थाई वारंटीयो की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान 12 सितंबर से प्रारंभ किया गया था। अभियान के अंतर्गत 01 नवंबर तक रतलाम पुलिस द्वारा विभिन्न प्रकरणों में फरार चल रहे 150 स्थाई वारंटीयो को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। साथ ही 1964 गिरफ्तारी वारंट तामिल कराए गए थे। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में लगातार कार्यवाही करते हुए रतलाम पुलिस द्वारा नवंबर माह में भी 79 स्थाई वारंट एवं 623 गिरफ्तारी वारंट तामील कराए। अभियान के तहत अभी तक कुल 229 स्थाई वारंट, एवं 2587 गिरफ्तारी वारंट तामील कराए गए। रतलाम पुलिस का स्थाई वारंटियों की धरपकड़ अभियान लगातार जारी है। अवैध शराब के विरुद्ध अभियान-451 प्रकरण दर्ज, 6,482 लीटर अवैध शराब जसपुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध अभियान के तहत 01 अक्टूबर से अभी तक 451 प्रकरण दर्ज कर 453 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 6482 लीटर अवैध शराब जप्त की गई। अवैध शराब के विरुद्ध रतलाम पुलिस का अभियान लगातार जारी है।

जिला अस्पताल के दो डॉक्टर संस्पेंड, दूसरे जिले में भेजा

रतलाम। मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने रतलाम जिला अस्पताल के दो डॉक्टरों को शनिवार को सस्पेंड कर दिया। साथ ही उन्हें जिला अस्पताल से हटाकर अन्यत्र भेज दिया है। दोनों डॉक्टरों पर नियम विरुद्ध जाकर बिना अधिकार क्षेत्र के एक कैदी को जिला अस्पताल में भर्ती कराने का आरोप है। जांच के बाद कलेक्टर के प्रतिवेदन पर यह कार्रवाई भोपाल से की गई है।

जिन्हें सस्पेंड किया है उनमें सीबीएमओ एवं तत्कालीन प्रभारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रवि दिवेकर और डॉ. जीवन चौहान शामिल हैं। डॉ. दिवेकर पर आरोप है कि उन्होंने कैदी कचरूलाल (29) पिता अमराजी को प्रोटोकॉल के विपरीत बिना अधिकार क्षेत्र के जिला चिकित्सालय का पर्चा

बनवाकर भर्ती करवाया गया था। केस शीट पर स्वयं के नोट्स डाले, जबकि डॉक्टर दिवेकर जिला अस्पताल में पदस्थ नहीं थे है और ना ही मेडिकल विशेषज्ञ हैं।

मामला सामने आने के बाद छानबीन हुई। जांच हुई तो सामने आया कि डॉ. दिवेकर ने जिला अस्पताल के डॉ. जीवन चौहान से केस शीट पर नोट्स डलवाकर आईसोलेशन वार्ड में शिफ्ट करवाया। संबंधित कैदी को आईसीयू में भर्ती कराया। जबकि कोई गंभीर बीमारी नहीं थी उसका ईसीजी एवं बीपी भी नार्मल था। आरोप है कि रुपए लेनदेन के बदले कैदी को जेल से बाहर रखा गया। जांच के बाद सिविल सर्जन डॉ. एमएस सागर ने दोनों चिकित्सकों का निलंबन प्रस्ताव बनाकर भेजा था।

कलेक्टर के पास भेजा

कलेक्टर ने सिविल सर्जन के से मिले प्रतिवेदन को देख डॉ. रवि दिवेकर सीबीएमओ और डॉ. जीवन चौहान के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए निलंबन का प्रस्ताव शासन स्तर पर भेजा था। इसी आधार पर जांच के बाद कार्रवाई की गई है।

दोनों को दूसरे जिले में किया अटैच

निलंबन काल में डॉ. जीवन चौहान, मेडिकल विशेषज्ञ का मुख्यालय, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बुरहानपुर अटैच किया है। वहीं, डॉ. रवि दिवेकर सीबीएमओ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आलोट जिला रतलाम मुख्यालय को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला नीमच के कार्यालय में अटैच किया है।

फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर रतलाम के युवक को काल कर डिजिटल अरेस्ट का प्रयास

बैंक डिटेल्स, चेक बुक लेकर अकेले कमरे में आने को धमकाया

रतलाम।

रिटायर्ड कॉलोनी निवासी एक युवक के पास अनजान नंबर से कॉल आता है और कॉलर खुद को दिल्ली पुलिस अधिकारी बताकर युवक को कहते है कि आपके खाते में 80 लाख का इलीगल फंड आया है। आपके विरुद्ध धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है।

फर्जी पुलिस अधिकारी द्वारा युवक को हाउस अरेस्ट या डिजिटल अरेस्ट के नाम के नाम पर धमकाते हुए युवक से अपनी बैंक डिटेल्स और बैंक बैलेंस की जानकारी मांगी। युवक द्वारा खाते में 10 लाख रुपए होना फर्जी अधिकारियों को बताया। इस पर फर्जी पुलिस अधिकारी द्वारा युवक को बैंक डिटेल्स और चेक बुक लेकर एक कमरे में अकेले

आने के लिए कहा गया। फर्जी पुलिस अधिकारी द्वारा युवक को कहा कि कारवाई के दौरान आप डिजिटल अरेस्ट रहेंगे इसलिए कॉल डिस्कनेक्ट नहीं कर सकते तथा किसी से संपर्क नहीं कर सकते।

पुलिस अधीक्षकअमित कुमार के मागदर्शन में सायबर सेल रतलाम द्वारा डिजिटल अरेस्ट जैसे सायबर फ्रॉड के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा पीड़ित व्यक्तियों के बारे में जानकारी मिलते ही पीड़ित से संपर्क कर हरसंभव मदद करने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त घटना पर युवक ने समझदारी से काम लेते हुए अपने भाई को बताया फिर उसके भाई द्वारा सायबर सेल से संपर्क करने की सलाह दी गई। युवक द्वारा सायबर सेल से संपर्क किया। सायबर सेल रतलाम द्वारा युवक को बिना डरे फर्जी पुलिस अधिकारियों से कॉल डिस्कनेक्ट करने को कहा तथा किसी भी प्रकार की सेंसेटिव इनफॉर्मेशन या बैंक डिटेल्स को शेयर नहीं करने को कहा तथा सुरक्षा के दृष्टिगत बैंक खाते को टेंपरेरी फ्रिज करवाने हेतु कहा गया। सायबर सेल की टीम उ नि राजा तिवारी, आर मयंक व्यास, आर विपुल भावसार द्वारा युवक की काउंसलिंग कर युवक के मन से डर निकलकर आजकल सायबर अपराधियों द्वारा किए जा रहे डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के बारे में जागरूक किया गया। सायबर टीम द्वारा फर्जी मोबाइल नंबर की रिपोर्ट कर ब्लॉक करवाने की कारवाई की गई। पुलिस द्वारा डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए एडवायजरी भी जारी की गई है।

वास्तविक सत्यता तो असीम निराकार परमात्मा में है : सुदीक्षा

रतलाम। संत निरंकारी मिशन का 77वां वार्षिक निरंकारी संत समागम हरियाणा के हलदाना बॉर्डर स्थित निरंकारी आध्यात्मिक स्थल में हुआ। 16 से 18 नवंबर तक प्रेम, सेवा, समर्पण, सत्य, सनातन, ईश्वर, निराकार, सर्व व्यापक ब्रह्म ज्ञान से ओतप्रोत अंतरराष्ट्रीय संत समागम हुआ। 19 को गुरु वंदना 20 को सामूहिक शादियां हुई। समागम सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम में जिले से लोग पहुंचे थे और शनिवार को लौटकर आए। माता सुदीक्षा जी महाराज ने कहा कि संसार में हम जितनी भी चीजें देखते अथवा अनुभव करते हैं वह सारी परिवर्तनशील हैं। जिस प्रकार दिन ढलता है तब रात होती है और रात के बाद फिर से दिन की शुरुआत हो जाती है। ठीक उसी प्रकार किसी भी वस्तु अथवा पदार्थ के अस्तित्व को शाश्वत मान लेना हमारा भ्रम है क्योंकि वास्तविक सत्यता तो केवल असीम निराकार परमात्मा में है जिसे विभिन्न नामों से पुकारा जाता है। मीडिया सहायक प्रताप सिंह चरपोटा ने बताया कि उज्जैन जोन के जोनल इंचार्ज राजकुमार गनवानी के साथ जिले से पहुंचे सैकड़ों भक्तों ने माता सुदीक्षाजी का आशीर्वचन प्राप्त किया।

नामली पुलिस ने यातायात व्यवस्था को किया दुरुस्त

नामली। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार (भा.पु.से.), के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा (रा.पु.से.), के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नामली के नेतृत्व में कस्बे की यातायात व्यवस्था को सुगम व सूचारु बनाने के लिए अभियान के तहत सेमलिया चौराहा से थाना गेट तक के मार्ग पर अव्यवस्थित रुप से लगे वाहनो, सब्जी फ्रुट के हाथ ठैलागाडी वालो, फुटपाथ पर सब्जी बेचने वालो व दुकानो के बाहर फुटपाथ पर रखे सामान को दुकानदारो को समझाईस देकर हटवाया जाकर सेमलिया चौराहा से लेकर थाना गेट तक के मार्ग को यातायात के लिए सुगम व सूचारु किया गया, साथ ही नगर निगम की टीम एवं यातायात की टीम द्वारा चालानी कार्यवाही भी की गई ।

कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एनसीसी स्थापना दिवस मनाया

सैलाना। पीएम श्री शासकीय एकीकृत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सैलाना में एनसीसी स्थापना दिवस 21 म.प्र.बटालियन एनसीसी रतलाम के कमान अधिकारी कर्नल संदीप अहलावत के निर्देशानुसार एवं सूबेदार मेजर जयपाल सिंह के मार्गदर्शन में बड़े जोश एवं हर्ष उल्लास से मनाया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुनीता छजलानी एवं सैलाना विकासखंड शिक्षा अधिकारी नारायण उपाध्याय की उपस्थिति में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय की एनसीसी कैडेट द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर द्वीप प्रचलित कर की गई। ऋषिका राठौर, रितिका पाटीदार एवं मुस्कान राव द्वारा एकल नृत्य एवं वैष्णवी कसेरा, जया बैरागी ,किरण डिंडोर, रिया राठौर द्वारा समूह नृत्य तथा राधा भाभर, सुशीला मकवाना, पूजा देवड़ा, पायल चारेल, सुशीला बामनिया एवं सविता निनामा द्वारा आदिवासी नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई पूनम शुक्ला द्वारा एकल गान प्रस्तुत किया गया एवं अंजलि

निनामा द्वारा देशभक्ति पर अपने विचार रखें।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए विद्यालय की एनसीसी अधिकारी सेकंड ऑफिसर माया मेहता द्वारा बताया गया की एनसीसी दुनिया का सबसे बड़ा वर्दी धारी युवा संगठन है ,जिसका लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण ,अनुशासन धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस एवं सेवा भाव जगा कर उनका सर्वांगीण विकास करना जिससे वह आगे चलकर एक अच्छा नागरिक बन सके। एनसीसी एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो कैडेट्स की प्रतिभा को निखारने का काम करता है। कार्यक्रम उपरांत कैडेट्स एवं विद्यालय परिवार द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया वर्ष 2023-24 में एनसीसी ए सर्टिफिकेट परीक्षा पास करने वाली 45 छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। छात्राओं द्वारा स्वच्छता की शपथ ली गई एवं जल स्रोत की सफाई की गई। खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें दौड़ एवं रस्सी कूद करवाया गया। कार्यक्रम में श्रीरामलाल मुनिया ,श्रीमतीशशि सारस्वत ,श्रीमती भुवनेश्वरी सोलंकी,श्री अनुराग शर्मा,श्री मुकेश शाक्य,श्रीमतीसंजू बाला कुमावत,श्रीमति नम्रता राठौर ,श्रीगौरव तिवारी,श्रीमती संगीता चौधरी ,श्रीमतीगुरप्रीत कौर, श्रीमतीश्रद्धा जोशी एवं पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। पूरा कार्यक्रम सीनियर कैडेट लक्ष्मी पारगी की व्यवस्था में हुआ। कार्यक्रम का समापन एनसीसी गान के साथ किया गया।

सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत लोकगीत व नृत्य प्रतियोगिता हुई आयोजित

जावरा । भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत लोक गीत और लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष प्रमोद रावल के आतिथ्य में किया गया। विशेष रूप से महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मंजुला एलांसे, डॉ. आभा सक्सेना उपस्थित रहीं। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलन और माल्यार्पण कर किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एजी पठान ने बताया कि हमारी भारतीय संस्कृति की मूल जड़ लोक गीत और लोक नृत्य है जो

हम सभी को एक-दूसरे से जोड़ कर रखती है। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रावल ने कहा कि हमारी संस्कृति में हमारी आत्मा में बसती है और यह संस्कृति हमें एक-दूसरे से जोड़कर रखती है। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि पाल ने बताया कि लोक नृत्य एवं लोक गीत हमारी संस्कृति और जनजीवन का संपूर्ण चित्रण हैं। यह सभी हमारी अमूल्य धरोहर और हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति हैं। इस दौरान कार्यक्रम मे विद्यार्थियों ने मालवी, छत्तीसगढ़ी और राजस्थानी लोकगीत और लोक नृत्य प्रस्तुत किए। लोक नृत्य के निर्णायक दल में डॉ.दुष्यंत भदौरिया और प्रो.संगीता जटिया रहे। वहीं लोक गीत प्रतियोगिता के निर्णायक गायत्री अरोड़ा और डॉ नीलू कौशिक रहे। विधा प्रभारी प्रो. प्रीति वर्मा ने बताया कि जब शरीर और आत्मा का मिलन होता है तभी एक खूबसूरत नृत्य और गायन का सृजन होता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. एपी पांडेय, डॉ. सरिता बैरवा, प्रबी मेहता तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। संचालन संयुक्त रूप से नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि पाल और विधा प्रभारी डॉ प्रीति वर्मा ने किया।

थाना परिसर से मोबाईल चोरी करने वाले आरोपी को डेढ वर्ष का कारावास

जावरा। थाना परिसर से 2019 में पुलिसकर्मी का मोबाईल चोरी करने वाले आरोपी को प्रथम श्रेणी न्यायालय ने कोर्ट में आए साक्ष्य के आधार पर दोषी मानते हुए आरोपी बसंतीलाल (43) पिता वरदा कटारा निवासी रसुलपुर मुंडली हाल मुकाम शिवपुर थाना बिलपांक जिला रतलाम को धारा 379 भादवि में डेढ वर्ष का सश्रम कारावास के साथ अर्थदंड से दंडित किया। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी भूपेन्द्र कुमार सांगते ने बताया कि थाना कालुखेड़ा पर उप निरीक्षक पद पर पदस्थ ध्यानसिंह सोलंकी 26 जनवरी 2019 को थाना परिसर में शासकीय कार्य कर रहे थे, फरियादी की उक्त दिनांक को राष्ट्रीय त्यौहार होने से कानून व्यवस्था की देहात ड्यूटी में जाने से सेमसंग कंपनी का मोबाईल थाना परिसर रखा रह गया था। उप निरीक्षक के देहात ड्यूटी से वापस आने पर थाना परिसर में अपना मोबाईल तलाश करने पर नही मिला। फरियादी का कोई अज्ञात व्यक्ति सेमसंग कंपनी का मोबाईल चोरी कर ले गया है। जिसको लेकर उप निरीक्षक ने उक्त घटना के संबंध में अज्ञात अभियुक्त के विरूद्ध पुलिस थाना कालूखेडा पर अपराध धारा 379 भादवि का पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान थाना परिसर में लगे सीसीटीवी फुटैज देखने पर आरोपी बसंतीलाल द्वारा उप निरीक्षक सोलंकी का मोबाईल ले जाते हुए दिखाई दिया, जिसके आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर पुछताछ करने पर उससे मोबाईल जप्त किया गया। प्रकरण में अभियुक्त के विरुद्ध धारा 379 भादवि के तहत अभियोगपत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपक कनेरिया द्वारा विचारण उपरांत साक्ष्य एवं तर्कों के आधार पर आरोपी बसंतीलाल को धारा 379 भादवि में एक वर्ष 6 माह का सश्रम कारावास एवं 500 रुपयें के अर्थदंड से दंडित किया गया।

रामा के नर्सिंग कौशल कॉलेज रोटला में हुआ विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सांसद एवं कलेक्टर द्वारा नि :शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण कर मरीजों से की चर्चा

झाबुआ । आम जन, गर्भवती माताओं, कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओं को दृष्टिगत रखते हुये आयुक्त इंदौर श्री दीपक सिंह के निर्देशानुसार कलेक्टर नेहा मीना के द्वारा रविवार 24 नवम्बर, 2024 को रामा के नर्सिंग कौशल कॉलेज रोटला में आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान एवं कलेक्टर नेहा मीना द्वारा फिता काटकर व भगवान सत्यनारायण के चित्र पर दिप प्रज्वलित व माल्यर्पण कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ व पौधे देकर किया गया। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के निर्देशन में संभाग के समस्त जिलो मे निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर लगाकर उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। स्वास्थ्य शिविर के प्रथम चरण मे 14 जुलाई को कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ था। सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान एवं कलेक्टर नेहा मीना द्वारा स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया गया एवं शिविर में आए जिले के ग्रामीण अंचल से आए व्यक्तियों से चर्चा की एवं उनके स्वास्थ्य को जाना। शिविर में

स्त्रीरोग एवं सोनोग्राफी वार्ड में समूचित सुविधाएँ प्रदान की गई थी, सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग, सिलिकोसिस एवं 70+ आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के लिए अलग-अलग काउंटर की व्यवस्था भी की गई थी। मरीजों की सुविधा हेतु रूट चार्ट व मैपिंग का कार्य किया गया। साथ ही रजिस्ट्रेशन के लिए महिलाओं, पुरुषों व बच्चों लिये अलग - अलग काउंटर बनाये गये एवं दवाई वितरण के लिए भी अलग से काउंटर बनाये गये। जिससे अव्यवस्था उत्पन्न ना हो। आयुक्त इंदौर श्री दीपक सिंह के निर्देशन में एवं कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में इंदौर मेडिकल कॉलेज, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, चोईथराम अस्पताल, अरविंदो अस्पताल,इंदौर कैंसर फाउंडेशन, केयर सीएचएल अस्पताल इंदौर एवं जिला अस्पताल झाबुआ के 145 से अधिक डॉक्टरों के द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गयी। शिविर में गर्भवती महिला, हड्डी रोग, जनरल मेडिसिन, हृदय रोग, दंत रोग, कैंसर रोग, नेत्र रोग, मानसिक रोग, शिशु रोग, सांस, दमा, पेट रोग, नाक, कान, गला रोग, ऑडियोमेटरी एवं स्पीच थेरेपी, चर्म रोग, फिजियोथेरेपी आदि रोगों के संपूर्ण इलाज, जाँच, एवं रेफरल की व्यवस्था की गयी थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर बीएस बघेल द्वारा बताया गया कि शिविर में कुल 7718 मरीजों का इलाज किया गया, इस दौरान स्त्री रोग में कुल 933, हड्डी रोग में 150, दंत चिकित्सा में 167, बाल रोग में 1715, नाक, कान, गला रोग में 198, जनरल सर्जरी 252, आयुर्वेद 981, हायपरटेंशन 1265, डायबीटीज 1246, सिकल सेल 904, रक्त परीक्षण 170, ईसीजी 56, कुष्ठ संभावित रोग 23, क्षय संभावित रोग 26, रक्तदान 13, मेमोग्राफी 73, सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग 40 एवं 265 सोनोग्राफी की गयी। शिविर में कुल 247 आभा आईडी एवं 77 आयुष्मान कार्ड बनाये गए। 10 बच्चों को दिल की बीमारी के ऑपरेशन हेतु चिन्हाकन किया गया एवं 2 बच्चे श्रवण बाधित बीमारी के एवं 1 बच्चा कटे-फटे होट वाला पाया गया। मेमोग्राफी के लिए 73 लोग आए थे जिनमें से 38 मेमोग्राफी की गई। जिनमें से 2 लोग सस्पेक्टेड पाये गए तथा सर्वाइकल कैंसर के 40 लोगों जांच की गई, सर्वाइकल कैंसर में कोई भी पॉजिटिव नहीं पाये गए। शिविर में जीभ के कैंसर का भी एक मरीज पाया गया। शिविर में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग में कुल 39 दिव्यांगजन परीक्षण हेतु उपस्थित हुए जिसमे से 4 दिव्यांगजन का दिव्यांग सर्टिफिकेट बनाया गया एवं 5 हितग्राहियों का यू डी आई डी कार्ड बनाया गया एवं ऑडियो मैट्रिक के 27 हितग्राहियो का परीक्षण किया गया। 10 सिकल सेल हितग्राहियों की जांच रिपोर्ट अनुसार सर्टिफिकेट बनाने हेतु समझाइश दी गयी। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत सेल्फी पॉइंट बनाया गया एवं पेम्पलेट वितरीत कर सभी को जागरूक किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी स्वास्थ्य सुविधा का लाभ लिया गया साथ ही रक्तदान किया। श्री अरविंदो इंस्टीट्?यूट ऑफ मेडिकल साइंस इन्दौर द्वारा जिला जेल से निरुद्ध 188 पुरुष 05 महिला कुल 193 बंदियों का उपचार किया गया। शिविर का निरीक्षण संभाग स्तर से डॉ. सोनिया लाल, उप संचालक स्वास्थ्य सेवाएं इंदौर के द्वारा किया गया, इस शिविर में जिला पंचायत सीईओ, पुलिस अधीक्षक, एसडीएम झाबुआ, अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार, सीएमओ, बीएमओ रामा, आबकारी विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, महिला बाल विकास विभाग, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, जिला आपूर्ति विभाग, जिला खनिज विभाग, सहकारिता विभाग, परिवहन विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, खाद्य विभाग, विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग इत्यादि विभागों के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना हेतु फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य : अपर कलेक्टर

मंदसौर । अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना हेतु फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। दिसंबर 2024 के उपरांत केवल फार्मर आईडी उपलब्ध होने पर ही योजना का लाभ हितग्राही को प्राप्त हो सकेगा। समस्त संबंधित हितग्राहियों से अपील की है कि वह अपनी फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से करवा ले। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का निरंतर लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री बनाना अनिवार्य किया गया है। सर्वप्रथम अपने आधार से मोबाइल नंबर लिंक करें, उपरांत अपने नजदीकी सीएससी केंद्र अथवा गांव के पटवारी के माध्यम से फॉर्मर रजिस्ट्री करवा सकते हैं अथवा व्यक्ति स्वयं लिंक पर जाकर मोबाइल नंबर से रजिस्टर कर आधार ओटीपी के माध्यम से स्वयं भी फार्मर रजिस्ट्री कर सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री का उद्देश्य है कि समस्त भू-धारियों के आधार लिंक्ड रजिस्ट्री तैयार करना है जिसमें भू-धारियों को एक अन्य फार्मर आईडी प्रदान किया जाएगा। फार्मर रजिस्ट्री के उद्देश्यो में योजनाओं का नियोजन, लाभार्थियों का सत्यापन, कृषि उत्पादों का सुविधाजनक वितरण, प्रदेश के समस्त किसानों को राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ तथा पारदर्शी तरीके से प्रदान करने हेतु लक्ष्य निर्धारण एवं किसानों के लिए कृषि ऋण तथा अन्य सेवा प्रदाताओं के लिए कृषि सेवाओं की सुगमता शामिल है।

प्याज ने दिलाई महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी को जीत

नई दिल्ली,। जून में हुए लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में बीजेपी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। तब किसानों की नाराजगी प्रमुख थी। खासकर पंजाब में विरोध प्रदर्शनों के चलते धारणा बदलना एनडीए सरकार के एजेंडे का हिस्सा था। पिछले पांच महीनों में बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र और महायुति के डबल इंजन की सरकार ने इन चिंताओं को दूर करने की कोशिश की। खासकर प्याज और सोयाबीन से जुड़े मुद्दों पर ध्यान दिया। इस बार गर्मियों में इन मुद्दों पर किसानों में काफी रोष देखने को मिला था। आम चुनावों से पहले केंद्र ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने के लिए मई तक इंतजार किया, लेकिन सितंबर की शुरुआत में केंद्र ने न्यूनतम निर्यात मूल्य को हटाने का फैसला किया। साथ ही उसने प्याज का बड़ा भंडार बनाया। इस बार सीधे किसानों से 4.7 लाख टन प्याज खरीदी जबकि पिछले साल 3 लाख टन प्याज खरीदी थी।

भैरव अष्टमी पर मंदिरों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

आयोजित हुए अनुष्ठान, लगाया छप्पन भोग

बड़वानी। भैरव अष्टमी के अवसर पर शनिवार को जिले भर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान सपन्न हुए। इस अवसर पर जहां मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा की गई थी। वहीं पुजन-अर्चन के लिए मंदिरों श्रद्धालुओं की भीड़ लगना शुरू हो गई थी।

भैरव अष्टमी के अवसर पर शहर के रानीपुरा बोहरा वाड़ी मोहल्ले में स्तिथ प्राचीन मंदिर काल भैरव मंदिर में काल भैरव अष्टमी मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा प्रातरूकाल भगवान भैरव बाबा का अभिषेक सुबह 7 बजे किया गया। 8 बजे घी और सिंदूर का चोला चढ़ाया गया। वहीं पुजन कर सुबह 9 से साढ़े 11 बजे तक मन मोहक श्रृंगार किया गया। इसके बाद 12 बजे पूजा-आरती कर श्रद्धालुओं में प्रसादी, जलेबी, नुक्ति, सेव इमरती, लड्डू की प्रसादी वितरित की गई। वहीं भगवान के आशीर्वाद से भक्तों की मनोकामना पूर्ण होने पर मान मन्नत पूरी की।

इस अवसर पर राजेन्द्र भामदरे, यशवंत कुमावत, रूद्र पंडित, दामोदर शर्मा, भगवती प्रसाद सोनी, मनोहर गुप्ता, सचिन पुरोहित, विजय निकुम, रविन्द्र कुशवाह, राम यादवए धर्मेंद्र सोनी, दुष्यंत चौहान, श्याम सूर्यवंशी, धीरज रवि कन्नौजे, मनोज जिराती, राम किशन पवार, श्री परासर, एडवोकेट किशोर ठाकुर, एडवोकेट अभिलाषा सोनी, श्रीमती वंदना सोनी, श्रीमती रानी रूद्र पंडित, श्रीमती शशि सोनी, श्रीमती सरजू पवार, सुरेश यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालू उपस्थित थे।

मंदसौर जिले में पंचायत उप निर्वाचन के लिए श्री ए एन अरोरा को प्रेक्षक नियुक्त

मंदसौर । मंदसौर जिले में जनपद पंचायत सदस्य के उप निर्वाचन के लिए मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा श्री अनंतनारायण अरोरा, रा.प्र.से. (सेवानिवृत्त) को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक जिले में 24 नवम्बर 2024 से 28 नवम्बर 2024 तक तथा 08 दिसम्बर 2024 से 13 दिसम्बर 2024 तक उपस्थित रहेंगे। प्रेक्षक श्री अरोरा भानपुरा सर्किट हाउस में रुके हुए हैं। वहा पर प्रातः 11 से 12 बजे तक कोई भी व्यक्ति निर्वाचन से संबंधित समस्या लेकर मिल सकता है या उनके मोबाइल नंबर पर +91 9425134261 संपर्क कर सकता है।

जिला जेल परिसर झाबुआ में बंदियों हेतु स्वास्थ्य शिविर परीक्षण श्री अरविंदो हॉस्पिटल की टीम के द्वारा आयोजित किया गया

झाबुआ । झाबुआ वरिष्ठ कार्यालय भोपाल के निर्देशानुसार जिला जेल परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर जिला जेल अधीक्षक डीके पगारे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम अतिथि डॉक्टर टीम में पीआरओ पवन कुमार जैन, डॉक्टर शिवंश गुप्ता, डॉक्टर पुनीत गहलोत डॉक्टर, नितिन डॉक्टर शुभम भाटिया, डॉक्टर प्रमोद, डॉक्टर सोहेब खान, डॉक्टर साक्षी डॉक्टर नूवा आदि का जिला जेल परिसर अधीक्षक श्री डीके पगारे, भारत सिंह मिद्दू मेहरा, राजाराम सुश्री आरती वसुनिया एवं जेल परिसर स्टाफ ने पुष्प गुच्छ से सभी डॉक्टर का स्वागत किया। इसके पश्चात स्वागत भाषण जिला जेल अधीक्षक श्री पगारे के द्वारा दिया गया पीआरओ पवन कुमार जैन ने इस शिविर के माध्यम से दी जा रही विभिन्न सुविधा सेवा के बारे में उपस्थित बंदियो को अवगत कराया। विभिन्न विभाग के डॉक्टर के द्वारा बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक मेडिसिन आदि दी गई साथ ही उपस्थित बंधिया को श्री अरविंदो हॉस्पिटल इंदौर की टीम के द्वारा आवश्यक चेकअप के बाद उन्हें जिला जेल जिला चिकित्सा विभाग में जांच हेतु आवश्यक पड़ने पर जिला जेल के नियम अनुसार उन्हें इलाज हेतु सुविधा देने की बात कही। श्री अरविंदो इंस्टीट्?यूट ऑफ मेडिकल साइंस इन्दौर द्वारा जिला जेल से निरुद्ध 188 पुरुष 05 महिला कुल 193 बंदियों का उपचार किया गया और उन्हें आवश्यक ट्रीटमेंट दिया गया। श्री जैन ने बताया कि वह यहां पर कैसे रोग मुक्त हो सकते हैं इस हेतु उन्होंने समय-समय पर जिला जेल परिसर में लगने वाले चेकअप सिविल कैंप आदि में अपनी चेकअप करवा कर निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं ले सकते हैं और रोग मुक्त हो सकते हैं कार्यक्रम का संचालन डॉ अशोक बलसोरा ने किया एवं आभार जिला जेल अधीक्षक डी के पगारे के द्वारा व्यक्त किया गया और साथ ही अरविंदो इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस के ओनर का एवं उपस्थित सभी डॉक्टर टीम का धन्यवाद प्रेषित किया और साथ ही वरिष्ठ जेल अधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया उनके कुशल मार्गदर्शन में झाबुआ के इस जिला जेल परिसर में स्वास्थ्य शिविर का लाभ इन बंदियों को मिल सका।

बॉलीवुड के सबसे उग्र ऑन-स्क्रीन पत्रकार

हिंदी सिनेमा में, कई अभिनेत्रियों ने भ्रष्टाचार, अन्याय और सामाजिक मुद्दों से निपटने वाले निडर पत्रकारों के लचीलेपन और साहस को जीवंत किया है। यहां कुछ सबसे प्रभावशाली चित्रणों का सारांश दिया गया है-

रानी मुखर्जी, नो वन किल्ड जेसिका

जेसिका लाल हत्याकांड में न्याय की मांग करने वाली दृढ़ निश्चयी पत्रकार मीरा गैटी की भूमिका में रानी मुखर्जी ने दमदार अभिनय किया। उनके चरित्र की निडरता से सत्य की खोज और जनसमर्थन की रैली ने परिवर्तन लाने में पत्रकारिता की शक्ति को प्रदर्शित किया।

करीना कपूर खान, सत्याग्रह

करीना कपूर खान ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जन आंदोलन का नेतृत्व करने वाली पत्रकार यास्मीन अहमद की भूमिका निभाई। अपने काम के जरिए वह शोषितों के मुद्दों को उजागर करती हैं।

राशि खन्ना, साबरमती रिपोर्ट

राशी खन्ना एक निडर पत्रकार

अमृता गिल के रूप में चमकती हैं, जो गोधरा के पास दुखद साबरमती एक्सप्रेस घटना के पीछे की सच्चाई को उजागर करती है। ईमानदारी और साहस से प्रेरित एक महिला के उनके सूक्ष्म चित्रण ने उनकी आलोचनात्मक प्रशंसा अर्जित की है।

अनुष्का शर्मा, पीके

इस व्यंग्य नाटक में, अनुष्का शर्मा ने एक पत्रकार जगत जननी की भूमिका निभाई, जो मानवता के विरोधाभासों को उजागर करने में एलियन पीके की सहायता करती है। उनका चरित्र हास्य और करुणा के मिश्रण के साथ सामाजिक मानदंडों और धार्मिक हठधर्मिता को चुनौती देता है।

कोंकणा सेन शर्मा, पृष्ठ 3

कोंकणा सेन शर्मा ने हमें यादगार माधवी शर्मा दी, जो मुंबई के उच्च समाज की चकाचौंध लेकिन नैतिक रूप से जटिल दुनिया को समझने वाली पत्रकार थीं। एक आशावादी रिपोर्टर से पेज 3 पत्रकारिता की सतही बातों से मोहभंग होने वाले व्यक्ति के रूप में उनके चरित्र का विकास मार्मिक और शक्तिशाली दोनों था।

सारा अली खान ने बचपन को किया याद

सारा अली खान ने हाल ही में अपने प्रोफेशन और अपनी हॉबी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि एक्टिंग उनका प्रोफेशन है लेकिन उन्हें ट्रेवल करना ज्यादा पसंद है। एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि वह एक शौकीन ट्रेवलर हैं। उन्हें इंडिया के साथ-साथ विदेश घूमना भी काफी पसंद है। हर साल वह केदारनाथ जाती हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने बचपन में परिवार के साथ छुट्टियां पर जाने को भी याद किया। सारा अली खान ने हाल ही में अपने पेरेंट्स सैफ अली खान और अमृता सिंह के साथ बचपन के छुट्टियों के दिनों को याद किया। सारा ने बताया कि जब उनके पेरेंट्स साथ रहते थे, तो वह अक्सर छुट्टियां मनाने के लिए लंदन जाते थे। इस दौरान एक्ट्रेस ने पटौदी पैलेस की कुछ पुरानी यादें भी शेयर की। सारा अली खान ने ह्रछ्रझ्ङ्क से बातचीत में कहा, 'इब्राहिम और मां को लंदन बहुत पसंद है और इसलिए मेरे पिता को भी वो जगह काफी पसंद है। जब मेरे पेरेंट्स साथ रहते थे, तो हम हमेशा गर्मियों की छुट्टियों में लंदन जाते थे और 40-45 दिन तक रहते थे।' साथ ही सारा ने बचपन में पटौदी पैलेस में समय बिताने को लेकर कहा, 'पटौदी से मेरी बचपन की बहुत सारी यादें जुड़ी हैं। मैं बड़ी होने के बाद वहां ज्यादा नहीं जाती हूं, लेकिन अब भी सारे त्योहार क्रिसमस, नया साल और दिवाली वहीं मनाती हूं।'

सिमी ग्रेवाल ने शेयर किया मजेदार पोस्ट

राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर बॉलीवुड की एवरग्रीन अभिनेत्री सिमी ग्रेवाल ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है। यह पोस्ट हंसी के साथ-साथ पॉल्यूशन के गंभीर मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करता है। सिमी ग्रेवाल, जो अक्सर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं, ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर एक मजेदार जोक साझा किया। इस पोस्ट में तीन तोते दिखाई दे रहे हैं, जिनमें से एक काले रंग का तोता दूसरे दो हरे रंग के तोतों से कहता है, मेरा यकीन करो, मैं कौवा नहीं हूं, मैं बस दिल्ली से आया हूं। इसका मतलब था कि वह इतना काला दिल्ली के पॉल्यूशन की वजह से हो गया है। इस पोस्ट को शेयर करने के बाद सिमी की यह मजेदार टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। केवल एक घंटे में इस पोस्ट को 4500 से अधिक लोगों ने देखा, 1500 से ज्यादा लोगों ने लाइक किया और 203 यूज़र्स ने इसे रीपोस्ट किया।

राजेश और सखी ड्रग कार्टेल को विफल करेंगे

वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से में राजेश के कार्यालय में चॉकलेट का एक पार्सल आता है, जिसमें ड्रग्स मिला होता है। जब पुलिस चॉकलेट में मिलावट के रहस्य को सुलझाने की कोशिश करती है, तो राजेश और सखी (चिन्मयी साल्वी) भी जांच करते हैं और रहस्यमयी पार्सल के पीछे की सच्चाई को उजागर करने का प्रयास करते हैं। सखी की जांच में एक नया मोड़ तब आता है जब वह अपने अतीत से एक परिचित चेहरे करेन से टकराती है, जो पूर्व जर्मन एक्सचेंज स्टूडेंट है, जो एक बार एक्सचेंज प्रोग्राम के दौरान वागले परिवार से मिला था। सखी को यह जानकर आश्चर्य होता है कि करेन ने संदिग्ध पार्सल पहुँचाया था। बाद में वह कबूल करता है कि वह ड्रग कार्टेल की नापाक धमकियों और ब्लैकमेल का शिकार हो गया है, और उसे उनके पार्सल पहुंचाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सान्या मल्होत्रा को स्टैंडिंग ओवेशन

सान्या मल्होत्रा ने मिसेज में अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर एक प्रमुख महिला के रूप में अपनी योग्यता साबित की है, जिसका प्रीमियर गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में हुआ था। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित मलयालम हिट द ग्रेट इंडियन किचन के रूपांतरण वाली इस फिल्म को दर्शकों से खूब सराहना मिली, जिसने सान्या को इंडस्ट्री की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक बना दिया। मिसेज के प्रीमियर पर, सान्या को इस सामाजिक ड्रामा में उनके शक्तिशाली किरदार के लिए भारी तालियाँ से सराहना मिलीं। प्रतिक्रिया से अभिभूत होकर उन्होंने अपना आभार व्यक्त किया।

दरवाजा टूटने वाला है... फिर से!

सीआईडी 21 दिसंबर को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर धमाकेदार वापसी करने के लिए तैयार है, और यह हर शनिवार और रविवार को रात 10 बजे प्रसारित होगा। , दया अपनी सिग्नेचर स्टाइल से वीरतापूर्ण वापसी करेंगे और दरवाज़ा तोड़कर प्रवेश करेंगे, और एक ज़ोरदार डायलॉग होता- दुश्मन भी मुझे मिटा नहीं पाए, मैं वापस आ गया, अपने लिए लड़ने और जो भूल गया है, उसे याद दिलाने की लिए - 'दया वापस आ गया है!'दया का किरदार निभाने वाले दयानंद शेट्टी ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा- कुछ किरदार लोगों के दिलो-दिमाग में बस जाते हैं, और दया उनमें से एक है। इतने सालों बाद भी जो प्यार और तारीफ मिल रही है, मैं उससे बहुत खुश और भावुक हूं।

रॉकस्टार डीएसपी ने किस्सिक का पोस्टर किया साझा

रॉकस्टार डीएसपी पुष्पा 2: द रूल के एक हाई-एनर्जी ट्रैक किस्सिक की रिलीज के साथ एक और चार्टबस्टर रिलीज करने के लिए तैयार है। अल्लू अर्जुन और श्रीलीला पर आधारित यह गाना 24 नवंबर को शाम 7:02 बजे रिलीज होगा। पोस्टर को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए, रॉकस्टार डीएसपी ने इसे कैप्शन दिया, पुष्पा 2: द रूल का किस्सिक गाना 24 नवंबर को शाम 7:02 बजे वर्ल्डवाइड फ्लैश हो रहा है। यह आइकन स्टार अल्लू अर्जुन और डांसिंग क्वीन श्रीलीला के लिए डांस सेट करने और फ्लोर पर आग लगाने का समय है। रॉकस्टार डीएसपी का संगीत 5 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज।

जया प्रदा ने याद किए सुनहरे पल

'सारेगामापा' में स्पेशल एपिसोड की शूटिंग के दौरान, कंटेस्टेंट बिदिशा ने 'मुझे नौलखा मंगा दे रे' और 'डफली वाले डफली बजा' जैसे आइकॉनिक गानों पर शानदार परफॉर्मेंस दी। उनकी गायकी ने न केवल जजों को बल्कि जया प्रदा को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। बिदिशा की प्रस्तुति ने जया प्रदा को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी, जब वे 'डफली वाले डफली बजा' की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने इस गाने से जुड़े कुछ खास पल साझा किए और बिदिशा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी परफॉर्मेंस ने उन्हें लता मंगेशकर की याद दिला दी।बिदिशा की परफॉर्मेंस के बाद, रिया ने 'गोरी है कलाइयां' गाने पर शानदार प्रस्तुति दी, जो जया प्रदा ने बताया कि इस गाने के बाद लोग उनसे अक्सर पूछा करते थे कि क्या वे उनके लिए हरी चूड़ियां लेकर आएं।

मैं सिर्फ जुनून के साथ आया था

निर्देशक मोज़ेज़ सिंह, जो हाल ही में एक पॉडकास्ट पर दिखाई दिए, उन्होंने बॉलीवुड में अपने लिए जगह बनाने की अपनी यात्रा साझा की, शुरुआती संघर्षों पर चर्चा की और बताया कि आखिरकार उन्होंने इंडस्ट्री में अपना पैर कैसे जमाया। उन्होंने कहा, इसमें मुझे बहुत लंबा समय लगा। उन्होंने बताया कि पहला बड़ा सबक जो उन्होंने सीखा वह था हकदार होने की भावना को भूलना। एक विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि से आने के कारण, उन्हें यह भावना छोड़नी पड़ी कि इंडस्ट्री को उनसे कुछ लेना-देना है। स यात्रा में समय लगा और रास्ते में गलतियों से सीखना शामिल है। मोज़ेज ने आगे बताया कि उन्होंने कभी भी फिल्म स्कूल में दाखिला नहीं लिया या इंडस्ट्री में किसी की सहायता नहीं ली। उन्होंने कहा, मैं अनुभवों का ट्रक भरकर नहीं आया हूं, मैं सिर्फ जुनून के साथ आया हूं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद क्या मोदी-शाह देंगे सरप्राइज

सीएम पद के लिए फडणवीस-शिंदे के अलावा कोई और भी विकल्प होगा?

नई दिल्ली। महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी को मिली शानदार कामयाबी ने नई संभावनाओं के दरवाजे खोले हैं। बीजेपी अब ऐसी स्थिति में है कि वह मनमाने फैसले ले सके। जरूरी नहीं है बीजेपी नेतृत्व देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के अलावा किसी और के बारे में न सोचे। महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी के बेहतरीन प्रदर्शन का पूरा क्रेडिट देवेंद्र फडणवीस को ही मिलेगा।

चुनावों के दौरान चार मिनट का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें देवा भाऊ के नाम से मराठी में एक गाना बनाया है। देवा भाऊ गीत में कहा गया है- दिन और रातज एक लक्ष्य, एक जुनून...देश और धर्म, जिंदगी और सांस...छत्रपति शिवाजी महाराज की परंपरा को आगे बढ़ाना हैज्महाराष्ट्र के गौरव को बढ़ाना है।

वीडियो में 2014 से लेकर 2019 तक और फिर 2022 से अब तक महाराष्ट्र सरकार के कामकाज को दिखाया गया है।

पहले पांच साल देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के सीएम थे और बाद में डिप्टी सीएम बनाए गए। देवा देवा देवा भाऊ गीत के साथ बने वीडियो में कोस्टल रोड से लेकर अटल सेतु तक, समृद्धि एक्सप्रेस महामार्ग, मुंबई में मेट्रो के फैलते नेटवर्क और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट से जुड़ी टनल में इंजीनियरों के साथ देवेंद्र फडणवीस को दिखाया गया है।

सीएम भले ही एकनाथ शिंदे रहे, लेकिन बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस को वीडियो में हीरो की तरह पेश किया है और वीडियो के साथ ही एक कैंपेन भी चलाया जा रहा था- आएगा तो देवा भाऊ ही। जैसे आएगा तो मोदी ही। देवेंद्र फडणवीस ने न सिर्फ चुनावों में उम्दा प्रदर्शन किया है। ऐसे में महाराष्ट्र में सीएम पद पर सबसे बड़े दावेदार तो देवेंद्र फडणवीस ही हैं, लेकिन क्या मालूम पीएम मोदी और अमित शाह के मन में कोई सरप्राइज प्लान चल रहा हो।

मोदी-शाह अक्सर ही सरप्राइज प्लान देते आए हैं। पिछले साल मध्य प्रदेश और राजस्थान में देखे चुके हैं। हरियाणा में चुनाव से पहले ही सरप्राइज मिल चुका था, लिहाजा बाद में ऑप्शन नहीं बचा था। कई बार ऐसी स्थितियां भी पैदा हो जाती हैं, जब हारे हुए पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखंड का सीएम बनाया गया था। एकनाथ शिंदे को ये कहते हुए भी सुना गया है कि महायुति में सीटों के आधार पर सीएम बनने की कोई बात पहले नहीं हुई थी, लेकिन बीजेपी की तरफ से ये जोर देकर दोहराया गया है कि चुनाव एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है और अमित शाह ने तो बयान देकर सरप्राइज की गुंजाइश छोड़ ही दी थी।

एकनाथ शिंदे की बातों से तो 2019 की याद आ गई है, जब उद्धव ठाकरे सीएम पद को लेकर अड़ गये थे, और नतीजा ये हुआ कि गठबंधन ही टूट गया। वैसे भी एक चर्चा एकनाथ शिंदे को केंद्र में समायोजित करने की तो शुरू ही हो गई है। हो सकता है कि एकनाथ शिंदे को न मानने की सूरत में बीजेपी फडणवीस की जगह किसी और नाम पर विचार करे। कुछ दिन पहले फडणवीस का नाम बीजेपी अध्यक्ष पद की रेस में था।

महाराष्ट्र में नहीं चला इंजन, खाता भी नहीं खोल पाई राज ठाकरे की मनसे

मुंबई। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। महाराष्ट्र की जनता ने एक बार फिर मनसे से मुंह मोड़ लिया है। विधानसभा चुनाव में महायुति की आंधी ने महाविकास आघाडी समेत छोटे दलों को भी बड़ा झटका दिया है। आघाडी तो 60 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी। इस चुनाव में मनसे की स्थिति सबसे कठिन हो गई। मनसे तो इस बार खाता तक नहीं खोल पाई है और नौबत मनसे की मान्यता रद्द करने तक पहुंच गई है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? ऐसी चर्चा राजनीतिक गलियारे में चल रही है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रदर्शन पर सभी की नजरें थीं। क्योंकि पहले उनका एक ही विधायक था। लेकिन इस बार उन्होंने अपने बेटे अमित ठाकरे को मुंबई के माहिम से उम्मीदवार बनाया था। इसलिए सबकी नजर इस बात पर थी कि क्या इस बार मनसे का जादू चलेगा। लेकिन इस चुनाव में देखा गया कि मतदाताओं ने मनसे से मुंह मोड़ लिया। इस चुनाव में मनसे का गणित कहां गड़बड़ा गया? इस चुनाव में राज ठाकरे की मनसे से क्या गलती हुई, आखिर कहां गलती हुई? लोगों ने मनसे से मुंह क्यों मोड़ लिया? मनसे की हार के कारणों की संक्षेप में समीक्षा की गई है जो इस प्रकार है- 2009 के विधानसभा में महाराष्ट्र राज ठाकरे के पीछे खड़ा था। पहले चुनाव में राज ठाकरे के 13 विधायक चुने गये थे। लेकिन उसके बाद राज ठाकरे पार्टी नहीं बचा सके। 2014 में राज ठाकरे की मनसे को सिर्फ एक सीट पर जीत मिली थी। ऐसा कहा जा रहा है कि पांच साल में 13 से एक सीट पर गिरने के बाद भी राज ठाकरे पार्टी को खड़ा करने में सफल नहीं हुए हैं। 2019 में भी राज ठाकरे को झटका लगा था। सिर्फ एक विधायक चुना गया। अब 2024 में मनसे का एक भी उम्मीदवार नहीं जीत पाया। यहाँ तक कि उनके बेटे को भी हार का सामना करना पड़ा। बता दें कि राज ठाकरे ने 288 सीटों में से 123 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन एक भी सफलता हाथ नहीं लगी। इस साल के विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे की मनसे के 123 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे। महायुति में बीजेपी के बाद सबसे ज्यादा उम्मीदवार मनसे के थे। लेकिन मनसे एक भी सीट नहीं जीत सकी। राज ठाकरे ने विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए बैठकें कीं। इस विधानसभा चुनाव में यह भी देखा गया कि सभाओं में भीड़ तो थी लेकिन वोट में तब्दील नहीं हुई। अविनाश जाधव को छोड़कर किसी भी उम्मीदवार ने कोई खास मेहनत नहीं की। राजनीतिक हलके के जानकारों का कहना है कि इससे पता चलता है कि मनसे ने विधानसभा के लिए उस तरह की तैयारी नहीं की है, जिस तरह से उसे योजना बनानी चाहिए थी।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष की नैया मुश्किल से हुई पार, मात्र 208 वोटों से जीते

नाना पटोले को सबसे ज्यादा नुकसान निर्दलीय उम्मीदवारों ने पहुंचाया

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने 101 सीटों पर पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ा, लेकिन महाराष्ट्र में बीजेपी की आंधी ने सब कुछ तहस नहस हो गया। उसमें कांग्रेस के कई दिग्गजों हार गए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले भी बड़ी मुश्किल से अपनी डूबती नैया को पार लगा पाए। उन्होंने मात्र 208 वोटों से जीत हासिल की।

नाना पटोले अपनी परंपरागत सकोली सीट से चुनाव लड़े थे। नाना पटोले इस सीट से 2009 और 2019 में भी जीत चुके हैं। हालांकि 2009 में जब वे इस सीट से जीते थे तो वे बीजेपी में थे लेकिन 2019 में वे बीजेपी छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया था। लंबे समय तक इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने की वजह से ये उनकी पारंपरिक सीट थी, लेकिन इस बार उन्हें सीट पर कड़ी टक्कर मिली। वोटो की गिनती के दौरान नाना पटोले कभी आगे तो कभी पीछे होते रहे। दूसरे राउंड के बाद नाना पटोले 687 वोट से आगे थे।

पांचवें राउंड के बाद उनकी मार्जिन कम हो गई और वे 359 वोटों से लीड कर रहे थे। 8 राउंड के बाद उनकी लीड 546 वोट रह गई, लेकिन उन्हें कभी भी लंबी लीड नहीं मिली। इसके बाद उनकी लीड कभी 321 वोट कभी 469 वोट रही तो 16वें राउंड के बाद वे 123 वोटों से पीछे हो गए।

28 राउंड की गिनती के बाद किस्मत उनपर मेहरबान हो गई और वह 208 वोटों से चुनावी रण जीत गए। नाना पटोले को इस सीट पर 96795 वोट मिले जबकि दूसरे नंबर पर रहने वाले बीजेपी के अविनाश ब्रह्मकर को 96587 वोट मिले, लेकिन नाना पटोले को असली नुकसान इस क्षेत्र के निर्दलीय उम्मीदवारों ने पहुंचाया इस सीट पर लड़ रहे निर्दलीय उम्मीदवार सोमदत्त ब्रह्मनंद 18309 वोट लेने में कामयाब रहे।

वीबीए के उम्मीदवार डॉ अविनाश को इस सीट पर 11188 वोट मिले। बहुजन समाज पार्टी के रोशन बाबूराव को 6037 वोट, जबकि एक और निर्दलीय उम्मीदवार अशोक सदाशिव को 3634 को वोट मिले हैं। यह सब नाना की जीत में रोड़ता बनते रहे।

यूपी उपचुनावः भले ही जीत नहीं सकी आसपा, सपा-बसपा के वोटरों में लगी सेंध

दलित-मुस्लिम गठजोड़ की राजनीति का चंद्रशेखर को मिला फायदा

सहारनपुर। बसपा और सपा का गढ़ कहे जाने वाले वेस्ट यूपी में चंद्रशेखर आजाद की पार्टी आजाद समाज पार्टी (आसपा) भले कोई सीट नहीं जीत सकी, लेकिन यूपी के हाल ही संपन्न हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी दोनों की साख को कमजोर किया है। यहां तक कि मीरापुर और कुंदरकी विधानसभा सीटों पर आजाद समाज पार्टी अपने दलित-मुस्लिम गठजोड़ के चलते बसपा से भी ज्यादा वोट हासिल करने में कामयाब रही है। नगीना से सांसद बनने के बाद उपचुनाव में आसपा को मिले मतों ने पार्टी कार्यकर्ताओं में भी नई उम्मीद जगा दी है। नगीना में चंद्रशेखर की जीत का आधार दलित-मुस्लिम गठजोड़ था और इसी आधार पर उसने अपनी राजनीति को आगे बढ़ाया है। यूपी उपचुनाव के नतीजों से भी यह बात पूरी तरह से साफ है। चंद्रशेखर ने उपचुनाव में वेस्ट यूपी की ज्यादातर सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार देकर सबको चौंका दिया था। यहीं नहीं सांसद बनने के बाद चंद्रशेखर मुस्लिम मुद्दों पर भी खुलकर बोल रहे हैं, जिसके पीछे भी दलित-मुस्लिम गठजोड़ की राजनीति को मजबूती देना ही है। यहीं वजह है कि चुनाव के बीच वह सपा के दबंग नेता आजम खां से मिलने पहुंचे थे। हालांकि इस गठजोड़ का उपचुनाव में उन सीटों पर ज्यादा असर नहीं हुआ, जहां उन्होंने दलित या गैर मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे। जबकि इसके उलट वेस्ट में जिन सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे, उसमें वह जीत भले नहीं पाए, लेकिन सपा-बसपा को पीछे कर अपनी दमदार आमद दर्ज कराने में कामयाब हुए हैं। मीरापुर और कुदरकी विधानसभा सीटों ने जहां आसपा ने मुस्लिम उम्मीदवार दिए थे, वहां उसका दलित-मुस्लिम गठजोड़ साफ दिखाई दिया। यहां तक की बसपा को अपने आसपास भी नहीं फटकने दिया। मीरापुर में बसपा उम्मीदवार को शाहनजर से 3248 मत मिले, जबकि आसपा उम्मीदवार जाहिद हुसैन ने यहां 22661 मत हासिल किए। इसी तरह कुदरकी में बसपा प्रत्याशी रफातुल्लाह ने 982 तो आसपा प्रत्याशी चांद बाबू ने 12931 वोट हासिल किए। सहारनपुर के छोटे से गांव से निकले आजाद समाज पार्टी के संस्थापक व नगीना सांसद चंद्रशेखर केवल आठ साल में एक छोटे से संगठन से शुरूआत कर देश की सबसे बड़ी पंचायत तक पहुंच गए हैं।

मुकाबला कड़ा था, पर कांग्रेस के दिग्गजों की हार से उठने लगे सवाल

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने अच्छी वापसी की थी। एक दशक में यह कांग्रेस का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया था। महाराष्ट्र की 48 में से 17 सीटें कांग्रेस के खाते में गई थीं। लेकिन विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने फिर से कांग्रेस को पहले वाली स्थिति में लौटा दिया। या यूं कहें कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हालत ही खराब हो गई। कई दिग्गज नेता चुनाव हार गए। ये सब कैसे हुआ इसको लेकर सवाल उठने लगे। कोई ईवीएम को जिम्मेदार बता रहा है तो कोई आपसी विवाद के चलते महाविकास अघाड़ी को नुकसान हुआ है। जमीन पर कांग्रेस का अभियान कम दिखाई दे रहा था। उसका परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस के बालासाहेब थोराट और पृथ्वीराज चव्हाण जैसे दिग्गज नेता भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। 75 में से कांग्रेस किसी तरह 10 सीटें जीत पाई। जिन इलाकों में कांग्रेस की जीत हुई है, वे या तो अल्पसंख्यक बहुल था या फिर स्थानीय नेता की अच्छी पकड़ थी। कोंकण क्षेत्र में तो कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं बचा। उत्तर महाराष्ट्र, पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में भी एक-एक ही सीट कांग्रेस बचा पाई। राज्य में कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ही सकोली सीट बड़ी मुश्किल से बचा पाए। सिर्फ 208 वोटों से उनकी जीत हुई है।

60 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम आबादी फिर भी हिंदू उम्मीदवार की हुई जीत

मुरादाबाद। यूपी के मुरादाबाद जिले की कुंदरकी विधानसभा सीट 11 मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में थे तो वहीं इनके बीच एक हिन्दू उम्मीदवार बीजेपी के रामवीर ठाकुर थे जो इस सीट पर विजयी रहे। 60 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम वोटरों वाली इस सीट पर सभी मुस्लिम उम्मीदवारों को पछाड़कर एक हिन्दू उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। दूसरे नंबर पर समाजवादी पार्टी को 11 फीसदी वोट मिले बाकि अन्य तो इससे भी नीचे हैं। बीजेपे के रामवीर को 170371 वोट मिले। वहीं सपा उम्मीदवार हाजी मोहम्मद रिजवान 25580 वोट मिले हैं। समाजवादी पार्टी ने यहां से अनुभवी और कद्दावर नेता हाजी मोहम्मद रिजवान को उम्मीदवार बनाया था। हाजी मोहम्मद रिजवान कुंदरकी से 2002 में चुनाव जीते थे। इसके बाद 2007 का चुनाव हार गए थे। हाजी रिजवान ने 2012 और 2017 के चुनावों में लगातार जीत हासिल की थी। 2022 के चुनाव में कुंदरकी विधानसभा सीट से सपा ने पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के पोते जियाउर रहमान बर्क

को मैदान में उतारा था। उस चुनाव में जियाउर ने 43,162 वोटों से जीते थे। जियाउर रहमान को कुल 1,25,792 वोट मिले थे। जबकि बीजेपी के कमल प्रजापति को 82,630 वोट। उस चुनाव में बसपा के मोहम्मद रिजवान को 42,742 वोट मिले थे। कुंदरकी में अपनी जीत पक्की मान रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिए 2024 का उपचुनाव एक झटका है। जानकारों का कहना है कि कुंदरकी के प्रतिकूल समीकरणों के बीच बीजेपी को मुस्लिम वोटों के बंटवारे का बड़ा फायदा मिला है। उधर, ठाकुर रामवीर सिंह ने भी मुस्लिम मतदाताओं के बीच सेंध लगाने के लिए हर मुमकिन कोशिश की। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा और पार्टी से जुड़े मुस्लिम नेताओं ने भी अपने कई कोशिशें कीं और नजीता सबके सामने है। 60 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम वोटरों वाली इस सीट पर सभी मुस्लिम उम्मीदवारों को पछाड़कर एक हिन्दू उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। जानकारों का कहना है कि इस बार रामवीर सिह, बीजेपी और सीएम योगी आदित्यनाथ की रणनीति ने कुंदरकी में हिन्दू और मुसमान का ध्रुवीकरण नहीं होने दिया। बल्कि मुस्लिम वोटरों के एक धड़े ने रामवीर पर भरोसा जताया। रामवीर उनके बीच टोपी पहनकर चुनाव प्रचार करते नज़र आए। नतीजों साफ है कि बीजेपी ने मुस्लिमों की तुर्क और राजपूत बिरादरी को साधने में भी काफी सफलता हासिल की है। कुंदरकी में करीब 40 हजार तुर्क और 45 हजार मुस्लिम राजपूत मतदाता हैं। कुंदरकी के चुनाव में पड़े कुल 2 लाख 21 हजार 999 वोटों में से अकेले रामवीर को 1 लाख 70 हजार 371 वोट मिले हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ, इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com